राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 28 जून 2024 वर्ष–7,अंक–155 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

चांद को चूम कर धरती पर लौटेगा चंद्रयान-4

अंतरिक्ष में होगा संगम

नई दिल्ली। (एजेंसी)

चंद्रयान-3 के बाद अब इसरो की टीम चंद्रयान-4 मिशन को सफल बनाने में जुट गई है। चंद्रयान-4 को लेकर इसरो का क्या प्लान है, अब भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी के चीफ सोमनाथ ने प्लान बता दिया है। इसरो चीफ सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान-4 चांद से सैंपल लेकर वापस धरती पर लौटेगा। यह एक बार में लॉन्च नहीं किया जाएगा। यह अंतरिक्ष यान के दो हिस्सों को दो लॉन्चिंग के जरिए चांद की कक्षा में भेजा जाएगा। चंद्रमा पर लैंडिंग से पहले अंतरिक्ष यान को अंतरिक्ष में ही जोड़ा जाएगा। खबरों के मुताबिक, इसरो चीफ एस सोमनाथ ने कहा,' चंद्रयान-4 चंद्रमा से सैंपल लेकर धरती पर वापस लौटेगा। चंद्रयान-4 एक बार में लॉन्च नहीं किया जाएगा। इसके बजा अंतरिक्ष यान के विभिन्न हिस्सों को दो लॉन्च के माध्यम से कक्षा में भेजा जाएगा और चंद्रमा पर लैंडिंग से पहले अंतरिक्ष यान को अंतरिक्ष में ही जोड़ा जाएगा।'

इसरो चीफ ने इसके पीछे की वजह भी बताई है। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-4 को दो हिस्सों में इसलिए भेजा जाएगा, क्योंकि चंद्रयान-4 के इस समय इसरो के पास मौजूद सबसे शक्तिशाली रॉकेट की वहन क्षमता से भी अधिक होने की उम्मीद है। दुनिया में ऐसा पहली बार होगा, जब किसी अंतरिक्ष यान को दो भागों में लॉन्च किया जाएगा और फिर अंतरिक्ष में जोड़ा जाएगा। इस तरह चांद पर लैंडिंग से पहले ही भारत दुनिया में इतिहास रच देगा। चंद्रयान-4 का मुख्य काम चांद से सैंपल को वापस धरती पर लाना है। उन्होंने कहा, 'हमने चंद्रयान-4 के कन्फीग्रेशन पर इस तरह काम किया है कि चंद्रमा से सैंपल वापस पृथ्वी पर कैसे लाया जाए। हम इसे कई प्रक्षेपणों के साथ करने का प्रस्ताव रखते हैं क्योंकि हमारी वर्तमान रॉकेट क्षमता एक बार में ऐसा करने के लिए पर्याप्त (मजबूत) नहीं है। इसलिए, हमें अंतरिक्ष में डॉकिंग क्षमता (अंतरिक्ष यान के विभिन्न भागों को जोड़ना) की आवश्यकता है।

हम उस क्षमता को विकसित करने पर काम कर रहे हैं। इस क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए हमारे पास इस साल के अंत में स्पैडेक्स नामक एक मिशन निर्धारित है। चंद्रमा से वापसी की यात्रा पर अंतरिक्ष यान मॉड्यूल का डॉकिंग एक नियमित प्रक्रिया है। अंतरिक्ष यान का एक हिस्सा मुख्य अंतरिक्ष यान से अलग हो जाता है और लैंडिंग करता है जबकि दूसरा हिस्सा चंद्रमा की कक्षा में रहता है। जब लैंडिंग वाला हिस्सा चंद्रमा की सतह से बाहर निकलता है, तो वह डॉक करता है और परिक्रमा करने वाले हिस्से से जुड़ जाता है, और फिर से एक इकाई बन जाता है।चंद्रयान-4 का असल मकसद चांद की सतह से नमूने एकत्र करना और उन्हें वैज्ञानिक विश्लेषण के लिए हमारे ग्रह यानी धरती पर वापस लाना है। यह उपलब्धि अब तक केवल अमेरिका, रूस और चीन ने ही हासिल की है। बताया जा रहा है कि चंद्रयान-4 की लैंडिंग साइट शिव शक्ति प्वाइंट के करीब होगी। शिव शक्ति प्वाइंट वो जगह है जहां भारत का चंद्रयान-3 चांद पर सफलतापूर्वक लैंड हुआ था। चांद का एक दिन पृथ्वी के लगभग 14 दिनों के बराबर होता है। इस मिशन की लाइफ भी इतनी ही होगी। इसके बाद अगले 14 दिन चांद पर वहां अत्याधिक ठंड वाले कठोर दिनों का सामना करना पड़ता है।

एसबीआई ने जुटाए 10 हजार करोड़, राजमार्गों, पावर प्लांट जैसे क्षेत्रों में होगा इस्तेमाल

मुंबई। देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक ने 15 सालों के इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड से 10 हजार करोड़ रुपए इकट्ठे किए हैं। यह राशि 7.36 फीसदी की कूपन रेट पर जुटाई गई है। एसबीआई ने कहा कि बॉन्ड के जरिए मिलने वाली रकम का इस्तेमाल राजमार्गों, पावर प्लांट, बुनियादी ढांचे और किफायती आवास क्षेत्रों के लिए किया जाएगा। इसके अलावा लॉन्ग टर्म संसाधनों को बढ़ाने के लिए भी इसका इस्तेमाल होगा। एसबीआई ने कहा कि इस निर्गम को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और यह पांच हजार करोड़ रुपए के आधार निर्गम आकार के मुकाबले करीब चार गुना ज्यादा अभिदान मिला। एसबीआई के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा कि इस निर्गम से लॉन्ग टर्म बॉन्ड कर्व विकसित करने में मदद मिलेगी और अन्य बैंकों को भी लंबी अवधि के बॉन्ड जारी करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड से प्राप्त इनकम को एसएलआर और सीआरआर जैसी रेग्युलेटरी रिजर्व रिक्वायरमेंट्स से छूट दी गई है। पूरी रकम को ऋण देने के कामों में लगाया जा सकता है।

केजरीवाल की गिरफ्तारी.....इधर संसद परिसर में आप का प्रदर्शन

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के लोकसभा व राज्यसभा सांसदों ने गुरुवार को संसद परिसर में सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे इन सांसदों का कहना था कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी गलत है। सीबीआई कार्रवाई के खिलाफ हाथों में तख्ती लिए इन सांसदों ने तानाशाही नहीं चलेगी, केजरीवाल को रिहा करो के नारे लगाए। आप के राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने कहा कि वे सीबीआई द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी के मुद्दे पर राज्यसभा में भी प्रदर्शन करुंगा। आप को इस मुद्दे पर शिवसेना (यूबीटी) का समर्थन भी मिला है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि केजरीवाल को जमानत मिलने के बाद भी सीबीआई ने गिरफ्तार किया, ये आपातकाल से भी अधिक तानाशाही है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर संसद में सवाल पूछे जाएंगे। केजरीवाल की गिरफ्तारी पर उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने तानाशाही और इमरजेंसी करार दिया है। सुनीता अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा कि यह कानून नहीं है, इमरजेंसी है और तानाशाही है।

लालकृष्ण आडवाणी इलाज के बाद दिल्ली एम्स से डिस्चार्ज

नई दिल्ली। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को तबियत खराब होने के चलते बुधवार देर रात दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। इलाज के बाद तबीयत संभली और आज गुरुवार को उन्हें घर जाने के लिए अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अब उनकी हालत पहले से बेहतर बताई गई है और उन्हें अस्पताल ने डिस्चार्ज कर दिया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को दिल्ली एम्स से डिस्चार्ज कर दिया गया। उन्हें बढ़ती उम्र में होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के चलते एम्स दिल्ली में भर्ती कराया गया था। आज गुरुवार आडवाणी दिल्ली एम्स के प्राइवेट वार्ड से अपने सरकारी आवास चले गए हैं। गौरतलब है कि बुधवार को अचानक तबीयत बिगड़ने की शिकायत के बाद उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया था। यहां उन्हें जरियाट्रिक डिपार्टमेंट के डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया था। बीजेपी के वयोवृद्ध नेता लालकृष्ण आडवाणी 96 साल के हैं और इसी साल उन्हें भारत रत्न से नवाजा गया है। बीजेपी के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी ने जनसंघ से लेकर बीजेपी को भी मजबूत करने में पूरा जीवन लगा दिया। बीजेपी की मौजूदा पीढ़ी के तमाम नेताओं की फौज को आडवाणी ने ही तैयार किया। पीएम मोदी खुद आडवाणी के सबसे बड़े प्रशंसकों में से एक हैं। आडवाणी ने अपने सियासी जीवन में आधा दर्जन यात्राएं निकालीं। इनमें राम रथयात्रा, जनादेश यात्रा, स्वर्ण जयंती रथयात्रा, भारत उदय यात्रा, भारत सुरक्षा यात्रा, जनचेतना यात्रा आदि शामिल हैं।

ओम बिरला पर बनी सहमति.....लेकिन डिप्टी स्पीकर खिंचेगी तलवार

डिप्टी स्पीकर पर सरकार चुप, कांग्रेस लड़ाई के मूड में

नई दिल्ली । (एजेंसी)

लोकसभा में बुधवार को ओम बिरला को स्पीकर चुन लिया गया। लेकिन अब अगला लक्ष्य डिप्टी स्पीकर पद है। डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष के लिए होड का विषय है। शुरू में दोनों पक्षों के शीर्ष नेताओं ने मामले पर बातचीत की, लेकिन स्थिति तब बिगड़ गई जब मोदी सरकार ने डिप्टी स्पीकर का पद इंडिया गठबंधन को देने के लिए सहमति नहीं जाहिर की। इंडिया गठबंधन को लगता है कि उसके पास पर्याप्त संख्याबल है, इसलिए यह पद विपक्ष को मिलना चाहिए। कांग्रेस सबसे वरिष्ठ सांसद के सुरेश की उम्मीदवारी के लिए फिर से जोर लगाएगी।

कांग्रेस पार्टी इस बात से भी चिंतित है कि 17वीं लोकसभा में यह पद खाली रहा और डिप्टी स्पीकर की मांग बार-बार अनसुनी की गई। इसलिए पार्टी मोदी सरकार को पद के लिए स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का मौका नहीं देना चाहती। इस मुद्दे पर कोई सहमति न बनने के कारण अटकलें हैं कि भाजपा अपने सबसे बड़े सहयोगी टीडीपी से किसी उम्मीदवार को मैदान में उतार सकती है। अध्यक्ष अगले कुछ दिनों में इस पद के लिए कोई फैसला ले सकते हैं, लेकिन पहले उन्हें यह तय करना होगा कि वह डिप्टी स्पीकर रखना चाहते हैं या नहीं। विपक्ष द्वारा मोदी सरकार पर निशाना साधने के बावजूद मामले को दबा रही है। मोदी सरकार के शीर्ष सूत्रों ने पुष्टि कर कहा कि डिप्टी स्पीकर पद पर कोई चर्चा नहीं हुई है और जब पार्टी और एनडीए सहयोगियों के बीच कोई फैसला हो जाएगा, तभी विपक्ष के सामने रखा जाएगा।

हालांकि, कांग्रेस मामले को टालने के मूड में नहीं है। संविधान की एक कॉपी से अनुच्छेद 93 पढ़ते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि 'लोकसभा यथाशीघ्र अपने दो सदस्यों को क्रमशः अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में चुनेगी' और जब भी अध्यक्ष या उपाध्यक्ष का पद रिक्त होता है, तब सदन किसी अन्य सदस्य को अध्यक्ष या उपाध्यक्ष के रूप में चुन लेगा। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि इसलिए हम निश्चित रूप से उपसभापति पद के लिए दावा करने वाले है। चाहे वह भाजपा का उम्मीदवार हो या उसके सहयोगी दलों का, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अनुच्छेद 93 इस बारे में बहुत स्पष्ट है कि लोकसभा में एक अध्यक्ष और एक उपाध्यक्ष होना आवश्यक है, हालांकि पिछली बार सरकार ने नियम का उल्लंघन किया जो पूरी तरह से असंवैधानिक है।

गौरतलब है कि अठारहवीं लोक सभा के स्पीकर के चुनाव को लेकर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच में तलवारें तन गई। सदन की जब कार्रवाई शुरू हुई तब प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने दोनों पक्षों को अपने स्पीकर के उम्मीदवारों को लेकर प्रस्ताव रखने को कहा। एनडीए के उम्मीदवार ओम बिरला बनाम इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के सुरेश की लड़ाई में ध्वनिमत से बिरला को स्पीकर घोषित कर दिया गया।

सैम पित्रोदा फिर बने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष

नस्लवादी टिप्पणी पर विवाद के बाद 8 मई को दिया था इस्तीफा

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस ने एक बार फिर सैम पित्रोदा को इंडियन ओवरसीज कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया है। कुछ सप्ताह पहले उन्होंने भारतीयों की त्वचा के रंग को लेकर अपनी नस्लवादी टिप्पणी पर विवाद के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने सैम पित्रोदा को तत्काल प्रभाव से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया है। पित्रोदा ने आठ मई को इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था, क्योंकि उनके नस्लवादी बयान पर विवाद खड़ा हो गया था। पित्रोदा ने एक साक्षात्कार में कहा था कि हम भारत जैसे विविधतापूर्ण देश को एक साथ रख सकते हैं, जहां पूर्व में लोग चीनी, पश्चिम में लोग अरब जैसे, उत्तर में लोग शायद गोरे जैसे और दक्षिण में लोग अफ्रीकी जैसे दिखते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम सभी भाई-बहन हैं। उनकी टिप्पणी पर हंगामा होने के बाद कांग्रेस ने उनके बयानों से खुद को अलग कर लिया और उन्हें अस्वीकार्य करार दिया था। जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा था कि भारत की विविधता को दर्शाने के लिए सैम पित्रोदा ने पॉडकास्ट में दिए गए उदाहरण दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य हैं। कांग्रेस इन उदाहरणों से खुद को अलग करती है। यहां तक कि बीजेपी ने भी पित्रोदा की टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस पर हमला किया और उन्हें नस्लवादी और विभाजनकारी बताया था। यहां तक कि पीएम मोदी ने भी अपने सहयोगी पित्रोदा की हालिया टिप्पणी के लिए राहुल गांधी की आलोचना की थी।

एमएसएमई क्षेत्र 2025 तक देगा 1.2 करोड़ लोगों को रोजगार

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारतीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम (एमएसएमई) इकाइयों में साल 2025 तक करीब 1.2 करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा। इस दौरान देश में एमएसएमई इकाइयों में करीब दो लाख नए रोजगार के अवसर पैदा होने वाले हैं। गुरुवार को जारी हुई रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई।

रिपोर्ट में कहा गया कि नए रोजगार के मौके शहरी और ग्रामीण दोनों में सर्विसेज और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में मिलेगा। एमएसएमई में नई उभरती हुई इंडस्ट्रीज जैसे ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में रोजगार के मौके में बढ़त देखने को मिलेगी। भारत 633.9 लाख सूक्ष्म, लघु और मध्यम एंटरप्राइजेज का घर है, जो कि विशेषकर टियर 2 और टियर 3 शहरों में रोजगार देती है। मौजूदा समय में लघु उद्योग जो कि कुल इंडस्ट्रियल यूनिट्स का 96 प्रतिशत है। भारत में दूसरा सबसे बड़ा नियोक्ता है।

जीडीपी में एमएसएमई क्षेत्र का योगदान 33 प्रतिशत है और यह देश के कुल रोजगार में 62 प्रतिशत का योगदान देता है। अन्य उभरते हुए देशों में एमएसएमई का अर्थव्यवस्था में योगदान 77 प्रतिशत है जो कि दिखाता है कि भारत में अभी एमएसएमई के विकास के लिए काफी काम करना बाकी है। महामारी और डिजिटाइजेशन के बढ़ते चलन के कारण निर्माण, मैन्युफैक्चरिंग, ट्रांसपोर्टिंग और सप्लाई-चेन एमएसएमई में रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना में नए रोजगार के अवसर सबसे अधिक पैदा होने वाले है। 24.44 प्रतिशत सूक्ष्म, 5.26 प्रतिशत लघु और 2.77 प्रतिशत मध्यम उद्योगों का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं के नेतृत्व वाले एमएसएमई में ज्यादा अच्छी ग्रोथ देखी जा रही है। अगले पांच वर्षों में महिलाओं के नेतृत्व वाले एमएसएमई में 20 से 25 प्रतिशत की बढ़त हो सकती है।

मणिपुर का नाम लिए बिना....पूर्वोत्तर में स्थायी शांति का जिक्र किया राष्ट्रपति ने

नई दिल्ली । (एजेंसी)

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में बीते साल भर से भी ज्यादा वक्त से हिंसा के माहौल बना हुआ है। मणिपुर हिंसा पर विपक्ष मोदी सरकार पर चुप्पी साधे रहने का आरोप लगाता है। यह शिकायत गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दूर कर दी। उन्होंने अपने अभिभाषण में मणिपुर का नाम नहीं लिया, लेकिन पूर्वोत्तर में स्थायी शांति का जिक्र जरूर किया। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार नॉर्थ-ईस्ट में स्थायी शांति के लिए लगातार काम कर रही। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में केंद्र सरकार ने कई पुराने विवादों का समाधान निकाला है। राष्ट्रपति जब नॉर्थ-ईस्ट में शांति का जिक्र कर रही थीं, तब विपक्ष से शोर की आवाज सुनाई दी। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, मेरी सरकार ने नॉर्थ-ईस्ट में आवंटन में 10 गुना की वृद्धि की गई है। उत्तर-पूर्व में हर क्षेत्र में विकास कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है। असम में 27 हजार करोड़ रुपये की लागत से सेमी कंडक्टर प्लांट लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा, मेरी सरकार नॉर्थ-ईस्ट में स्थायी शांति के लिए निरंतर काम कर रही है। बीतें 10 साल में अनेक पुराने विवादों को हल किया गया है। नॉर्थ ईस्ट में अशांत क्षेत्र में तेज विकास करके चरणबद्ध तरीके से अफ्सपा हटाने का काम भी जारी है। देश के हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम बन रहे हैं। 18वीं लोकसभा के पहले सत्र का गुरुवार को चौथा दिन है। पहले दो दिन सोमवार और मंगलवार को प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि मेहताब ने सांसदों के पद की शपथ दिलाई। तीसरे दिन बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष का चयन हुआ और ओम बिरला दूसरी बार स्पीकर चुने गए। अब गुरुवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण का खत्म होने के आधे घंटे बाद से सदन की कार्यवाही शुरू हुई।

सेंगोल विवाद पर विरोधियों को बीजेपी का जबाव.....कोई नहीं हटा सकता

समाजवादी पार्टी ने सेंगोल को राजशाही का प्रतीक बताकर सेंगोल को हटाकर उसकी जगह संविधान स्थापित करने की मांग की

नई दिल्ली । (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव के बाद संसद का पहला सत्र चल रहा है। इस बीच संसद में स्थापित किए गए सेंगोल पर सियासत गर्म हो चुकी है। विपक्षी दलों ने संसद भवन में स्पीकर के आसन के करीब स्थापित सेंगोल को हटाने की मांग शुरू की है। समाजवादी पार्टी ने सेंगोल को राजशाही का प्रतीक बताकर सेंगोल को हटाकर उसकी जगह संविधान स्थापित करने की मांग की है।

सपा के राज्यसभा सांसद आरके चौधरी ने कहा है कि संविधान महत्वपूर्ण है, लोकतंत्र का प्रतीक है। अपने पिछले कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मोदी सरकार ने संसद में सेंगोल स्थापित किया। सेंगोल का अर्थ है राज-दंड, इसका अर्थ राजा का डंडा भी होता है। रियासती व्यवस्था को खत्म करके देश आजाद हुआ। देश राजा के डंडे से चलेगा या संविधान से? मैं मांग करता हूं कि संविधान को बचाने के लिए संसद से सेंगोल को हटाए।

सपा नेता चौधरी के बयान पर पार्टी के मुखिया और सांसद अखिलेश का भी बयान आया है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमारे सांसद शायद ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि जब सेंगोल स्थापित किया गया था, तब प्रधानमंत्री ने इसके सामने सिर झुकाया था। शायद शपथ लेते वक्त वे भूल गए, हो सकता है कि मेरी पार्टी ने उन्हें यह याद दिलाने के लिए ऐसा कहा हो। जब प्रधानमंत्री इसके सामने सिर झुकाना भूल गए, तब शायद वह भी कुछ और चाहते थे।

सपा नेता के बयान पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि संविधान अहम है, हम इंडिया ब्लॉक में इस पर चर्चा करने वाले है। वहीं, कांग्रेस पार्टी ने सेंगोल मुद्दे पर सपा का समर्थन किया है। कांग्रेस ने कहा कि सेंगोल पर एसपी की मांग गलत नहीं है।

कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने कहा कि बीजेपी ने अपनी मर्जी से सेंगोल लगा दिया.....सपा की मांग गलत नहीं है। वहीं आरजेडी नेता मीसा भारती ने कहा कि सेंगोल को हटाना चाहिए,ये लोकतंत्र में है, राजतंत्र में नहीं। सेंगोल को म्यूजियम में लगाना चाहिए। यह राजतंत्र का प्रतीक है, सेंगोल इसलिए हटाना चाहिए। सेंगोल पर विपक्ष को जबाव देकर लोकसभा सांसद खगेन मुर्मू ने कहा कि इन लोगों को कोई दूसरा काम नहीं है। इन्होंने संविधान के बारे में गुमराह किया है। ये लोग संविधान को मानते ही नहीं हैं। वहीं बीजेपी सांसद महेश जेठमलानी ने कहा कि सेंगोल राष्ट्र का प्रतीक है। सेंगोल को स्थापित किया गया था, उस अब कोई नहीं हटा सकता। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि ये लोग यहीं सब काम करते हैं, ये देश का सर्वोच्च सदन है। ये लोग सुर्खियों में आने के लिए सस्ती बातें करते हैं। संविधान को हम सभी मानते हैं, सिर्फ समाजवादी पार्टी ने संविधान का ठेका नहीं लिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सदन में मेल-जोल

ओम बिरला का लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए लगातार दूसरी बार ध्वनि मत से चुना जाना स्वागतयोग्य है। ऐसे बहुत कम अवसर आते हैं, जब सदन में किसी एक नेता के लिए बहुमत बनता है। ओम बिरला ऐसे विरल नेताओं में शुमार हो गए हैं, जिनके नाम पर 18वीं लोकसभा में बहुमत बना है। हां, अगर विपक्ष मंगलवार को ही उनके नाम पर सहमत हो जाता, तो बुधवार को ध्वनिमत से चुनाव की भी नौबत नहीं आती। विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए अपने उम्मीदवार को आगे किया, तो मतदान की नौबत आ गई। खैर, लोकसभा में ओम बिरला को आसन तक पहुंचाने के लिए जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ राहुल गांधी आगे आए, उससे यह पता चलता है कि विपक्ष को भी लोकसभा अध्यक्ष से उम्मीदें हैं। पिछली लोकसभा की कुछ खट्टी-तीखी यादें हैं, जिनकी पुनरावृति अब कोई नहीं चाहेगा। लोकसभा में शांतिपूर्वक कामकाज हो, दोनों पक्ष एक-दूसरे के प्रति लोकतांत्रिक आदर भाव रखें, तो इससे बेहतर और कुछ नहीं। कोई संदेह नहीं कि अब ओम बिरला से लोगों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। ऐसा अवसर बहुत कम आता है, जब लोकसभा में अध्यक्ष के रूप में किसी को दूसरा मौका मिलता है। आज से करीब 39 साल पहले बलराम जाखड़ को दूसरा मौका मिला था। वह सातवीं और आठवीं लोकसभा के अध्यक्ष रहे थे। साल 1989 के बाद आठ अध्यक्ष हुए, पर कोई भी अपने कार्यकाल को दोहरा नहीं पाया। आठवीं लोकसभा भी सौभाग्यशाली थी कि उसे अनुभवी अध्यक्ष मिला था और अब अठारहवीं लोकसभा को भी इसी श्रेणी में रखा जा सकता है। इस सौभाग्य का लाभ सदन और देश को अवश्य मिलना चाहिए। आज के समय में सदन को शांतिपूर्वक चलाना एक बहुत बड़ी चुनौती है। पिछले दो कार्यकाल में लोकसभा अध्यक्ष को ज्यादा परेशानी नहीं हुई थी, क्योंकि भाजपा अकेले दम पर बहुमत का आंकड़ा रखती थी, पर अब वैसा बहुमत नहीं है, तो विपक्ष को ज्यादा तवज्जो देना और ज्यादा संतुलन साधकर चलना समय की मांग है। सोलहवीं और सतरहवीं लोकसभा में मजबूत नेता प्रतिपक्ष तक नहीं था, पर इस बार मजबूत नेता प्रतिपक्ष की वापसी हो रही है, तो अनेक अवसर आएंगे, जब सियासी टकराव की नौबत आएगी, तब लोकसभा अध्यक्ष को अपनी व्यापक सांविधानिक भूमिका का कुशलतापूर्वक निर्वहन करना पड़ेगा। ऐसे में, उनके पास मिलकर चलने का कोई विकल्प न होगा। एक लोकतांत्रिक देश में लोकसभा अध्यक्ष पर सबकी निगाह होती है, अमेरिका और यूरोप के अनेक देशों में सदन के अध्यक्षों को बहुत कारगर ढंग से काम करते देखा जाता है। हम भारत में भी अनेक लोकसभा अध्यक्षों को बेहतर काम करते देख चुके हैं और ध्यान रहे, उन सभी को सदन का पूरा साथ मिला था। वास्तव में, जब सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता उज्ज्वल लोकतांत्रिक परंपराओं की पालना करते हैं, तब लोकसभा अध्यक्ष का काम आसान हो जाता है। आज जो कटु सियासी स्थिति है, उसमें किसी भी पक्ष के प्रति पूरी तरह आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता, क्योंकि सदन में ज्यादातर राजनेताओं के लिए अपनी राजनीति को भूल जाना आसान नहीं है। फिर भी लोकसभा अध्यक्ष से यही आशा की जाएगी कि वह राजनीति से ऊपर उठकर सदन और देश की सेवा करेंगे। यदि वह ऐसा कर पाए, तो लगातार दस वर्ष अध्यक्ष रहने वाले पहले नेता के रूप में उनका नाम स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

बिरला के अध्यक्ष बनने से शुरुआत सही दिशा में

(लेखक - ललित गर्ग)

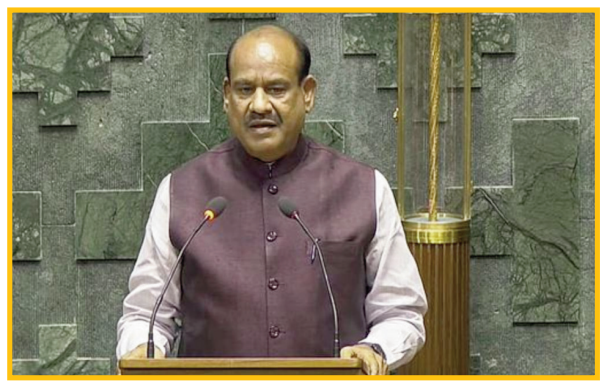

ओम बिरला को दूसरी बार ध्वनिमत से 18वीं लोकसभा का नया स्पीकर चुना गया। जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेता विपक्ष राहुल गांधी उन्हें आसन तक लेकर पहुंचे। ध्वनिमत पर विपक्ष ने डिविजन की मांग नहीं की। ओम बिरला के नाम पर विपक्ष का विरोध न करना मोदी सरकार के लिए भी किसी आश्चर्य से कम नहीं रहा। उम्मीद यही की जा रही थी कि विपक्ष वोटिंग की मांग करेगा और फिर पूरी प्रक्रिया के तहत मतदान होगा। लेकिन आज बिरला को नये लोकसभा के अध्यक्ष चुने जाने की सम्पूर्ण प्रक्रिया जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की खूबसूरती की छटा बिखेर रही थी, वहीं ऐसी संभावनाओं को बल दिया कि अठाहरवीं लोकसभा के सभी सत्र एक नया इतिहास का सृजन करते हुए उम्मीदभरे होंगे। कोटा से तीसरी बार के सांसद ओम बिरला ने दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनकर इतिहास रच दिया है। वे लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनने वाले तीसरे शख्स हैं। उनसे पहले बलराम जाखड़ 9 सालों तक स्पीकर रहे थे। ओम बिरला का चुना जाना चौंकाता नहीं है, बल्कि जो बात थोड़ी हैरान करने वाली थी वह है इस पद के लिए चुनाव की नौबत लाया जाना। वैसे तो लोकतंत्र में चुनाव किसी भी पद के लिए हो, उसे बुरा मानने का कोई कारण नहीं है। मगर लोकसभा अध्यक्ष का पद ऐसा है जिसमें आम राय को हमेशा तवज्जो दी जाती रही है। वजह यह है कि सदन के सुचारू संचालन के लिए अध्यक्ष को दोनों पक्षों का सहयोग चाहिए होता है। ऐसे में अगर इस पद पर बैठे व्यक्ति का चयन दोनों पक्ष उसमें अपना विश्वास घोषित करते हुए करें तो पद की शोभा कई गुना बढ़ जाती है। स्वतंत्र भारत में लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए केवल तीन बार 1952, 1967 और 1976 में चुनाव हुए। वर्ष 1952 में कांग्रेस सदस्य जी. वी. मावलंकर को लोकसभा स्पीकर के रूप में चुना गया था। लोकसभा अध्यक्ष पद पर चयन को लेकर सरकार और विपक्षी दलों के बीच सहमति नहीं बन पाई, जिस वजह से चुनाव की नौबत आ गई। केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार के गठन के बाद सरकार और विपक्ष के बीच यह पहला शक्ति प्रदर्शन था। इसलिए भाजपा के रणनीतिकार अपने उम्मीदवार ओम बिरला को ज्यादा से ज्यादा सांसदों के समर्थन के साथ बड़ी जीत दिलवाने के मिशन में जुट गई थी। इंडिया गठबंधन की पूर्व रात्री को हुई बैठक में ही नेताओं का कहना था कि इंडिया गठबंधन के पास संख्या बल नहीं है। इसलिये बिना मतदान के ही ध्वनिमत से बिरला के अध्यक्ष चुने जाने की कार्रवाई को निर्बाध होने दिया एवं संसदीय पटल पर खुशी का माहौल दिखाई दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह सदन का सौभाग्य है कि आप दूसरी बार इस आसन पर विराजमान हो रहे हैं। अमृतकाल के इस महत्वपूर्ण कालखंड में दूसरी बार इस पद पर विराजमान होना बहुत बड़ा दायित्व आपको मिला है, हम सबका विश्वास है कि आप आने वाले 5 साल हम सबका मार्गदर्शन करेंगे। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी बधाई देते हुए संविधान रक्षा की बात दोहरायी। सदन में तीसरे सबसे बड़े दल के नेता अखिलेश यादव ने कहा कि जिस पद पर आप बैठे हैं, इससे बहुत गौरवाशाली परंपरा जुड़ी है। इसलिए सबकुछ बिना भेदभाव आगे बढ़ेगा। निष्पक्षता इस महान पद की महान जिम्मेदारी है। आप लोकतंत्र के मुख्य न्यायाधीश की तरह बैठे हैं।' हर राष्ट्र का सर्वोच्च मंच उस राष्ट्र की पार्लियामेंट होती है, जो पूरे राष्ट्र के लोगों द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों द्वारा संचालित होती है, राष्ट्र-संचालन की रीति-नीति और नियम तय करती है, उनकी आवाज बनती है व उनके ही हित में कार्य करती है। राष्ट्र के व्यापक हितों की सुरक्षा करती है। भारत का लोकतंत्र न केवल सशक्त है बल्कि अनूठा एवं प्रेरक है, उसका सर्वोच्च मंच लोकसभा है। सत्रहवीं लोकसभा के सत्रों की कार्यवाही बिरला ने नियोजित एवं सुचारू ढंग से संचालित कर एक स्वस्थ परम्परा का सूत्रपात किया था, उनके अनुभव एवं क्षमताएं सदन को नई दृष्टि देने के लिए तत्पर रहे हैं। उनके सदन संचालन की दक्षता एवं कौशल की ताजी हवा के झोंकों का अहसास देश का सर्वोच्च लोकतांत्रिक सदन लोकसभा महसूस करता रहा है। वे लोकसभा को कुशलता से संचालित करने में न केवल खरे उतरे हैं बल्कि नये प्रतिमान स्थापित करते हुए सदन की गरिमा एवं गौरव की अभिवृद्धि की हैं। अठारहवीं लोकसभा के अध्यक्ष बनकर निश्चित ही वे सदन की कार्यवाही को अनुशासित भी कर सकेंगे, अनुप्रेरित भी कर सकेंगे और पक्ष-विपक्ष के बीच संतुलन रखते हुए देशहित में महत्वपूर्ण निर्णय लेने का मार्ग प्रशस्त कर सकेंगे, ऐसा विश्वास है। निश्चित ही निष्पक्ष होकर अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए सदन की गरिमा को नए स्तर तक ले जाने में वे सक्षम साबित होंगे। लोकसभा कुछ खम्भों पर टिकी एक सुन्दर ईमारत ही नहीं है, यह एक अरब चालीस करोड़ जनता के दिलों की धड़कन है। उसके एक-एक मिनट का सदुपयोग हो। वहां शोर, नारे और अव्यवहार न हो, अवरोध पैदा नहीं हो। ऐसा होना निर्धनजन और देश के लिए हर दृष्टि से महंगा सिद्ध होता है। यदि हमारे प्रतिनिधि ईमानदारी से नहीं सोचेंगे और आचरण नहीं करेंगे तो इस राष्ट्र की आम जनता सही और गलत, नैतिक और अनैतिक के बीच अन्तर करना ही छोड़ देगी। निश्चित ही संतुलन, निष्पक्षता, शालीनता एवं कौशल के बल पर बिरला नये लोकसभा के सदन की कार्रवाई को एक नई ऊंचाई प्रदान करेंगे और नयी उम्मीदों को पंख लगायेंगे। इसमें पक्ष एवं विपक्ष का सहयोग अपेक्षित है तभी लोकसभा की शालीनता एवं सभ्यता नई ऊंचाइयों पर आरोहण करेंगी। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है, यदि वहां मर्यादाहीनता एवं अशालीनता का प्रदर्शन होता है तो समस्याएं सुलझने की बजाय उलझती जाती है। छोटी-छोटी बातों पर अभद्र शब्दों का व्यवहार, हो-हल्ला, छींटाकशी, हंगामा और बहिर्गमन आदि ऐसी घटनाएं है, जिनसे संसद जैसी प्रतिनिधि संस्था का गौरव घटता है। यह बात चुने हुए प्रतिनिधियों को समझाने एवं उन्हें प्रशिक्षित करने में बिरलाजी ने पूर्व में जिस तरह की सिद्धहस्तता का परिचय दिया है, वह काबिलेतारीक है। संसद करोड़ों लोगों का प्रतिनिधित्व कर उनकी आवाज बनती हैं। हमारे राष्ट्र की लोकसभा का यही पवित्र दायित्व होता है कि वह उसकी पवित्रता एवं स्वस्थता कायम रखे तथा सभी प्रतिनिधि भगवान् और आत्मा की साक्षी से इस दायित्व को निष्ठा व ईमानदारी से निभाने की शपथ लेते हैं। लोकसभा अध्यक्ष पद पर केवल लम्बे संसदीय अनुभव रखने वाले सांसद का चुनाव जरूरी नहीं होता। देखना यह होता है कि इस पद पर बैठा व्यक्ति सभी पक्षों को साथ लेकर चलने की क्षमता रखता है अथवा नहीं और वह सभी पक्षों के साथ यथोचित न्याय करने का हौंसला रखता है या नहीं। सदन में जब मूल्य एवं नैतिक मानक कमजोर हो जाते हैं और सिर्फ निजी हैसियत को ऊँचा करना ही महत्वपूर्ण हो जाता है तो वह सदन निश्चित रूप से कमजोर हो जाता है। आजादी के अमृत काल में भी हम अपने आचरण और काबिलीयत को एक स्तर तक ऊंचा उठाये। नेता और नायक किसी कारखाने में पैदा करने की चीज नहीं हैं, उनकी काबिलीयत और चरित्र को गढ़ने का काम भी लोकसभा ही करती है। संविधान की शब्दधाराओं को ही नहीं उसकी भावना को महत्व देने के गुणों का विकास भी यहीं से होता है। बोलने की आजादी का सदुपयोग करना भी यही पर सिखाया जाता है। नये अध्यक्ष लोकसभा को प्रशिक्षण की प्रयोगशाला बनाये। नई लोकसभा अपने भीतर ऐसे परिवेश को जन्म दे, जो स्वयं आगे आकर नवनिर्माण करें, दायित्व की बागडोर थामे और सुधार, स्वस्थता एवं विकास का कार्य शुरू करें। लोकसभा बड़े आदर्शों की अपेक्षा एक छोटा-सा सवाल अपने आपसे करने की कोशिश कर रही है कि नयी लोकसभा की अगवानी में अलविदा किसे कहे? अतीत के उन घटना-प्रसंगों को अलविदा कहें जिनकी वजह से लोकसभा के सपने एवं संकल्प अधूरे रहे और उसकी गरिमा धूमिल होती रही है। शुरुआत तो अच्छी हो रही है देखिये आगे क्या होता है? इतना तो है ही कि इस बार सभी पक्षों से बेहतर समझदारी और परिपक्वता की अपेक्षा रहेगी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

प्रदेश से निकलकर भी चूके नहीं चौहान

राज्यनामा - मध्य प्रदेश/ हेमंत पाल

लोकसभा चुनाव के समय मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का एक बयान मीडिया में खूब चला था कि मैं मर भी गया, तो फीनिक्स पक्षी की तरह राख से जिंदा हो जाऊंगा। तब उनके इस बयान को गंभीरता से नहीं लिया और इस बात को मजाक समझा गया। बयानबाजी के मामले में शिवराज सिंह की अपनी अलग ही अदा है। जब वे मुख्यमंत्री थे, तब अफसरों को चमकाने के लिए कहा था, 'टाइगर अभी जिंदा है।' इसके अलावा भी शिवराज सिंह इस तरह के बयानों के जरिए अपने मन की बात बताते रहे और इशारे से अपने विरोधियों को भी चेताते रहे हैं। वे कभी इस बहाने अपने मन का दुख दर्शाते हैं, तो कभी अपने भविष्य का संकेत भी देते रहते हैं। फीनिक्स पक्षी की तरह फिर जिंदा होने की बात, उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान कहकर अपने इरादों को बता दिया था। आज भी वे जिस स्थिति में हैं, उससे समझा जा सकता है कि उन्होंने गलत नहीं कहा था। वे अब केंद्र की राजनीति में पांचवें नंबर पर पहुंच गए। मोदी के मंत्रिमंडल में उन्हें कृषि और ग्रामीण विकास जैसे बड़े विभाग मिले। इसके बाद उन्हें झारखंड के विधानसभा चुनाव का प्रभार दे दिया गया। यदि उन्होंने वहां भाजपा का झंडा गाड़ दिया तो उनके लिए राजनीति के नए दरवाजे खुलना तय है। नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में उन्हें दो भारी-भरकम विभाग देकर ये संदेश भी दिया गया कि शिवराज सिंह की ताकत को कम न समझा जाए। ये स्थिति इसलिए आई कि विधानसभा चुनाव के बाद जिस तरह हालात बदले और मुख्यमंत्री की कुर्सी अप्रत्याशित रूप से मोहन यादव को मिली, ये संदेश भी गया कि मध्यप्रदेश में अब शिवराज सिंह का जादू खत्म हो गया। जबकि, वास्तव में भाजपा को 163 सीट आना उनके 'मामा' होने का ही चमत्कार रहा। इसके बाद करीब एक महीने शिवराज सिंह कुछ दबे से रहे और उसी के साथ मोहन यादव की मुखरता बढ़ती गई। उनके कई पुराने फैसलों को बदला गया और उनके खास लोगों को पदों से बाहर कर दिया। लोकसभा चुनाव में जब उन्हें विदिशा से उतारा गया, तो साफ हो गया कि पार्टी उन्हें मध्यप्रदेश से बाहर भेजकर मोहन यादव को निष्कंटक करना चाहती है। इसके बाद बहुत कुछ ऐसा हुआ, जिससे लगा कि शिवराज सिंह भले लोगों के दिलों में हों, पर पार्टी की पहली सूची में वे नहीं हैं। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कई मंचों पर होते हुए भी उन्हें माइक नहीं थमाया गया। लेकिन, नतीजों ने सारी कहानी बदल दी। विदिशा से शिवराज सिंह की रिकॉर्डतोड़ 8 लाख से ज्यादा वोटों से जीत और मंत्रिमंडल की शपथ के दौरान पांचवें नंबर पर उनका शपथ लेना एक अलग ही संकेत था। साथ ही उन लोगों को सबक भी, जो ये मान रहे थे, कि 'मामा' अब उनके रास्ते में कहीं नहीं हैं। जबकि, देखा जाए तो लोकसभा चुनाव में भाजपा का क्लीन स्वीप (सभी 29 सीटों पर जीत) भी उनकी 'लाड़ली बहना योजना' का ही असर था। इस सबके बाद केंद्रीय मंत्री बनने के बाद जब शिवराज सिंह बीते सप्ताह भोपाल आए, तो उनका जिस तरह स्वागत हुआ, उसने अपना अलग ही असर दिखाया। इसे सिर्फ जनता और समर्थकों का हुजूम नहीं कहा जा सकता। ये सीधे-सीधे इस नेता का शक्ति प्रदर्शन था, जिसे उन्होंने भी समझा जिन्हें यह दर्शाया गया। यहां तक कि उन्हें उस ट्रेन में भी यात्रियों ने भरपूर स्नेह दिया जिससे वे दिल्ली से भोपाल आए थे। रास्ते भर यात्री उनके साथ सेल्फी लेते रहे। भोपाल की सड़कों पर तो उनका पांच घंटे ऐसा स्वागत हुआ, जो आने वाले कई सालों के लिए मिसाल बन गया। फिर भोपाल आने के अगले दिन उन्हें झारखंड विधानसभा चुनाव का प्रभारी बना दिया। केंद्र सरकार के बाद अब संगठन के जरिए चुनाव में बड़ी जिम्मेदारी मिलने के बाद कयास लगने लगे हैं कि क्या शिवराज सिंह चौहान को स्थायी रूप से मध्यप्रदेश की राजनीति से अलग कर दिया गया! इस साल के अंत में झारखंड में विधानसभा चुनाव होना है। यदि उन्होंने कोई चमत्कार कर दिया तो फिर वे अपना राजनीतिक भविष्य खुद तय करेंगे। विदिशा चुनाव के दौरान एक रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात का इशारा भी किया था कि हम शिवराज सिंह को दिल्ली ले जा रहे हैं। बात सच निकली और जीत के बाद उन्हें केंद्रीय कैबिनेट में जगह दी गई। जबकि, शिवराज सिंह विधानसभा चुनाव की शुरुआत से ही हाशिए पर दिखाई देने लगे थे। संगठन में भी उनकी पूछ कम होती दिखाई दी। तब वे मुख्यमंत्री जरूर थे, पर कई बार लगा कि उनकी बातों को अनसुना किया जा रहा था। पर, इसका कोई नतीजा नहीं निकला। उनकी 'लाड़ली बहना' ने ही मतदाताओं को प्रभावित किया और पार्टी ने उस कांग्रेस को नेस्तनाबूद कर दिया, जो अति आत्मविश्वास में सत्ता में आने का सपना देखने लगी थी। उन्होंने न सिर्फ कांग्रेस, बल्कि भाजपा में भी अपने विरोधियों को ध्वस्त किया।

विचार मंथन

बढ़ती धार्मिक कट्टरता से दुनिया की बड़ी आबादी नास्तिकता की ओर

(लेखक- सनत जैन)

समय और काल के हिसाब से प्रकृति जन्य परिवर्तन होते हैं। सामाजिक विकास में भी बदलाव आता है। उसी के अनुसार लोगों की सोच बनती है। पिछले 25-30 सालों से दुनिया के देशों में धार्मिक कट्टरता बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। धार्मिक कट्टरता के बल पर सत्ता तक पहुंचने के लिए धार्मिक आधार बहुत आसान रास्ता बन गया है। जिसके कारण दुनिया के सभी देशों में धार्मिक एवं जातीय कट्टरता को आधार बनाकर सत्ता में काबिज होने की प्रवृत्ति दुनिया के देशों में बढ़ती जा रही है। ईसाई, मुस्लिम राष्ट्रों के साथ-साथ अब हिंदू राष्ट्र भी धार्मिक कट्टरता के सहारे सत्ता तक पहुंचाने का मार्ग खोज रहे हैं। अमेरिका जैसे देश में धार्मिक कट्टरता बढ़ रही है। धार्मिक कट्टरता से नाराज लोग अब धर्म मानने या परिवर्तन करने के स्थान पर बड़ी संख्या में नास्तिक बन रहे हैं। दुनिया में करीब 800 करोड़ की आबादी है। धर्म के स्थान पर लोग अब वैज्ञानिक, लोकतांत्रिक, सामाजिक विकास और सामाजिक सामंजस्य से अपने जन्म के समय के धर्म से दूर होते जा रहे हैं। दुनिया के विकसित देशों में जो जनगणना हुई है उसको देखने से पता लगता है कि दुनिया में नास्तिकों की संख्या तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। दुनिया के देशों में अभी 31.5 फ़ीसदी आबादी ईसाई है। 23.2 फ़ीसदी इस्लाम धर्म को मानने वाली आबादी है। हिंदू धर्म को मानने वाले लोगों की संख्या भी लगभग 15 फ़ीसदी है। दुनिया के देशों में 7.5 फ़ीसदी बौद्ध धर्म को मानने वाली आबादी है। सारी दुनिया के देशों में 5.09 फ़ीसदी आबादी जनजाति धर्म को मानने वाली हैं। जैन धर्म को मानने वालों की संख्या 0.8 फ़ीसदी है। दुनिया के देशों में मात्र 0.2 फ़ीसदी यहूदी हैं। सिख और अन्य धर्म को मानने वालों की संख्या ना के बराबर है। जनसंख्या के आधार पर दुनिया के देशों में 218 करोड़ के आसपास ईसाई धर्म को मानने वाले लोग हैं। 191 करोड़ लोग इस्लाम धर्म को मानने वाले हैं। 116 करोड़ लोग हिंदू धर्म को मानने वाले हैं। भारत, नेपाल, मॉरीशस, अमेरिका सहित अन्य देशों में हिंदू आबादी अधिक रहती है। बौद्ध धर्म मानने वाले 55 करोड़ लोग हैं। इसके बाद जैन धर्म, यहूदी और सिख धर्म मानने वालों की आबादी भी है। सामाजिक व्यवस्था में अब धार्मिक आधार के स्थान पर लोग सामाजिक स्तर पर किसी भी धर्म को मानने के साथ सर्व धर्म समभाव के आधार पर पारिवारिक और सामाजिक रिश्ते बना रहे हैं। इसमें धर्म गौढ़ होता जा रहा है। ऐसे में दुनियां के सबसे नास्तिक देश की बात करें तो पहले नंबर पर चीन का नाम आता है। वर्ल्ड पॉपुलेशन सर्वे 2023 के अनुसार यहां की 91 फीसदी आबादी ईश्वर को नहीं मानती और न ही किसी धर्म को ही फॉलो करती है। यहां भगवान, धर्म और इंसान के बीच श्रद्धा का कोई सिद्धांत लागू नहीं होता है। अमेरिका जैसे देश में लगभग 6 करोड़ की आबादी किसी भी धर्म को नहीं मानती है। यह आबादी मानव धर्म ओर प्रकृति जन्य परिवर्तन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी से प्रभावित होकर अपने जीवन को नई दिशा और दशा दे रहे हैं। ताइवान, कोरिया, हॉन्गकांग एवं अन्य देशों में किसी भी धर्म को नहीं मानने वालों की संख्या दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है। भारत में 2001 और 2011 की जनगणना धार्मिक आधार पर शुरू की गई। भारत में जन्म के आधार पर धर्म की जानकारी जनगणना में दर्ज की जाती है। अब जो जनगणना होगी, उसमें किसी भी धर्म को नहीं मानने वालों की संख्या का पता भारत में भी चल सकेगा। धार्मिक ग्रंथो में हजारों वर्ष पुराने सिद्धांतों के आधार पर धर्म के आधार पर सामाजिक व्यवस्था की बात की जाती है। जो वर्तमान समय में सामाजिक, आर्थिक, प्राकृतिक, और वैज्ञानिक परिवर्तन के अनुकूल नहीं है। धार्मिक ग्रंथों में समय के अनुकूल कोई परिवर्तन नहीं हुए हैं। धार्मिक आस्था एवं कट्टरता के कारण लोगों का धर्म के प्रति लगाव कम हो रहा है। धार्मिक कट्टरता और वर्तमान में फैली हिंसा लोगों को धर्म से दूर कर रही है।

दुनिया के देशों में नास्तिकों की संख्या तेजी के साथ बढ़ रही है। जो ईश्वर और किसी भी धर्म को नहीं मानते हैं। वर्तमान नियम कानून के आधार पर मानवीय आधार पर मानवीय आधार पर आस्था और विश्वास के साथ प्रकृतिजन्य विकास पर विश्वास करते हैं। नास्तिकों की संख्या बढ़ने का यह भी एक बड़ा कारण है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

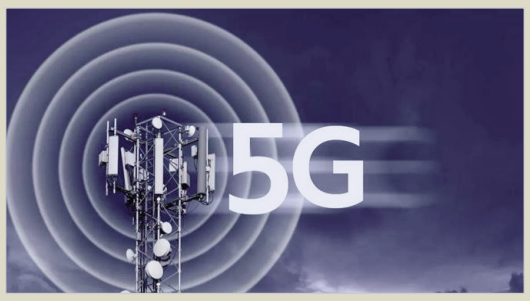

2029 तक 65 फीसदी पहुंच जाएंगे 5जी ग्राहक

मुंबई । देश में 5जी ग्राहकों की संख्या 2029 तक बढ़कर 65 फीसदी पहुंच जाएगी। वर्तमान में कुल मोबाइल कनेक्शन में 5जी की हिस्सेदारी करीब 10 फीसदी है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 के ओ खिरी तक भारत में 11.9 करोड़ लोग 5जी सेवा का उपयोग कर रहे थे। 2029 तक इन ग्राहकों की संख्या बढ़कर 84 करोड़ पहुंच जाएगी। वहीं दुनियाभर में 5जी सेवा का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या बढ़कर करीब 60 फीसदी पहुंच जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने बड़े पैमाने पर मिड-बैंड की तैनाती की है। इससे 2023 ओ खिर तक 90 फीसदी से अधिक आबादी तक इंटरनेट पहुंच गया।

अप्रैल-जून में 7 महानगरों में आवासीय बिक्री पांच प्रतिशत बढ़ी: एनारॉक

नई दिल्ली । देश के सात प्रमुख शहरों में अप्रैल-जून में मकानों की बिक्री सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.2 लाख इकाई हो गई। कीमतों में बढ़ोतरी से मांग में पिछली तिमाही की तुलना में आठ प्रतिशत की गिरावट आई है। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक ने चालू अप्रैल-जून तिमाही के लिए हाउसिंग मार्केट के आंकड़े गुरुवार को जारी किए। एनारॉक के अनुसार अप्रैल-जून 2024 में सात प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 1,20,340 इकाई रहने का अनुमान है, जो एक साल पहले समान अवधि में 1,15,090 इकाई थी। हालांकि जनवरी-मार्च तिमाही की तुलना में बिक्री में आठ प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है। जनवरी-मार्च तिमाही में 1,30,170 इकाइयों की बिक्री हुई थी। एनारॉक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि आवासीय बिक्री में तिमाही आधार पर गिरावट पिछले एक साल में संपत्ति की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण है। वार्षिक आधार पर दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद में बिक्री में वृद्धि देखी गई है, जबकि चेन्नई तथा कोलकाता में मांग में गिरावट आई।

फॉक्सकॉन प्लांट से श्रम मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने फॉक्सकॉन इंडिया के एप्पल आईफोन संयंत्र में विवाहित महिलाओं को काम करने की अनुमति नहीं देने के मुद्दे पर तमिलनाडु के श्रम विभाग से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस बारे में मीडिया में खबरें आई हैं जिसके बाद श्रम विभाग ने यह कदम उठाया है। श्रम मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 की धारा 5 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पुरुष और महिला श्रमिकों की भर्ती करते समय कोई भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। इसमें कहा गया है कि चूंकि राज्य सरकार इस अधिनियम के प्रावधानों के प्रवर्तन और प्रशासन के लिए उपयुक्त प्राधिकारी है, इसलिए उससे रिपोर्ट मांगी गई है। साथ ही इसने कहा कि क्षेत्रीय मुख्य श्रम आयुक्त के कार्यालय को भी श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने मीडिया में आई उन खबरों पर संज्ञान लिया है जिनमें कहा गया है कि विवाहित महिलाओं को फॉक्सकॉन इंडिया एप्पल आईफोन संयंत्र में काम करने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

साल 2026 में ओला की पहली इलेक्ट्रिक बाइक होगी लांच

-चार इलेक्ट्रिक बाइक का प्रोडक्शन करने की योजना

नई दिल्ली ।

जानी-मानी कंपनी ओला की साल 2026 में पहली इलेक्ट्रिक बाइक इंडियन मार्केट में दस्तक देगी। ओला ने चार इलेक्ट्रिक बाइक का प्रोडक्शन करने की योजना बनाई है।पिछले साल ओला ने चार नई बाइक्स को शोकेस किया था, जिनमें डायमंडहेड, एडवेंचर, रोडस्टर और क्रूजर डिजाइन की बाइक्स शामिल थीं। ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी शुरुआती पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) में ड्राफ्ट पेपर्स फाइल कर दिए हैं। कंपनी ने कहा है कि 'हम 2026 के शुरुआती छह महीनों में ही इन मोटरसाइकलों को डिलीवर करने की योजना पर काम कर रहे हैं। हम मोटरसाइकिल के साथ ही अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को आगे बढ़ाने के लिए योजना बना रहे हैं। ओला इलेक्ट्रिक ने हाल ही में अपनी तीन मोटरसाइकिलों के डिजाइन और एक रिमूवेबल इलेक्ट्रिक बैटरी के लिए पेटेंट कराया है। लोगों ने ओला के इलेक्ट्रिक स्कूटर को अपनाकर बेहतरीन प्रतिक्रिया दी है। ओला के कई इलेक्ट्रिक स्कूटर मार्केट में हैं, जो इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में 30 फीसदी मार्केट शेयर रखते हैं। ओला के तीन इलेक्ट्रिक स्कूटर एस1 प्रो, एस1 एयर और एस1 एक्स भारतीय बाजार में बिक रहे हैं। एस1 एक्स के तीन अलग-अलग बैटरी वैरिएंट और रेंज के साथ मार्केट में उपलब्ध हैं। ओला के इलेक्ट्रिक स्कूटरों का मुकाबला बजाज ऑटो, टीवीएस मोटर और एथर के इलेक्ट्रिक स्कूटरों से है। एथर ने हाल ही में फैमिली स्कूटर रिज्टा को मार्केट में उतारा है। वहीं बाइक सेगमेंट में ओला का मुकाबला ओबेन, हॉप, ओकिनावा, रिवोल्ट और कबीरा समेत कई अन्य कंपनियों से होगा। हीरो मोटोकॉर्प, जो भारत के सबसे बड़े टू-व्हीलर निर्माताओं में से एक है, भी इलेक्ट्रिक सेगमेंट में बाइक उतारने की तैयारी कर रही है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, हीरो मोटोकॉर्प अपनी पहली इलेक्ट्रिक बाइक साल 2025-26 में लॉन्च कर सकती है। हीरो के लाइन-अप में विदा रेंज के छह मॉडल आ सकते हैं। साथ ही हीरो के चार मॉडल जीरो मोटर्स के साथ पार्टनरशिप के तहत भी मार्केट में उतारे जा सकते हैं।

इंडस टावर्स ने छह महीने में 90 फीसदी रिटर्न दिया

मुंबई ।

शेयर बाजार की तेज़ी जारी है और गुरुवार को निफ्टी ने निचले स्तरों पर खुलने के बावजूद 23950 के पार जाकर कारोबार किया। विशेषज्ञ बताते हैं कि मार्केट में स्टॉक स्पेसिफिक एक्शन जारी रहेंगे। इंडस टावर्स के शेयरों में तेजी का रुख देखने को मिल रहा है। हाल के महीनों में शेयर में काफी उछाल आया है, जिससे निवेशकों को अच्छा लाभ हुआ है। इंडस टावर्स लिमिटेड के शेयर गुरुवार सुबह 1.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 361.25 रुपए के लेवल पर कारोबार कर रहे थे। बाजार विशेषज्ञ के अनुसार बाज़ार और इंडस्ट्री के हालात इंडस टावर्स के लिए अनुकूल हैं। उन्होंने कहा हे कि लंबे समय तक निवेश कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इंडस टावर्स को वोडाफोन आइडिया के नियोजित नेटवर्क विस्तार से लाभ होगा। वोडाफोन आइडिया द्वारा हाल ही में जुटाया गया फंड इंडस टावर्स के लिए पॉज़िटिव है। उन्होंने इंडस टावर्स के लिए 370 रुपये का टारगेट प्राइस निर्धारित किया। उन्होंने कहा कि रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करने के लिए स्टॉप लॉस 348-350 रुपये के आसपास होना चाहिए। इंडस टावर्स वायरलेस संचार टावरों की स्थापना, संचालन और मैंटेनेंस के व्यवसाय में लगी हुई है। यह देश में टावर और संबंधित इंफ्रा स्ट्रक्चर को साझा करने वाली सेवाओं की टॉप सर्विस प्रोवाइडर है।

वोल्टास की रेटिंग में सुधार की संभावनाएं

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख रूम एयर कंडीशनर बनाने वाली वोल्टास के शेयर मई के निचले स्तर से 17 प्रतिशत और पिछले तीन महीनों में 36 प्रतिशत बढ़ चुके हैं। गर्मी के सीजन की मजबूत मांग, डिस्ट्रीब्यूशन में विस्तार, नए लॉन्च और बैकवर्ड इंटीग्रेशन की वजह से कंपनी की ऑपरेटिंग परफॉर्मेंस में सुधार की संभावना है। कंपनी के मुख्य आरएसी सेगमेंट में कई सकारात्मक पहलू हैं। भीषण गर्मी के कारण कम इन्वेंट्री और ऑफ-सीजन के मुकाबले 50 फीसदी ज्यादा मांग ने एसी कंपनियों को अपने उत्पादों की कीमत बढ़ाने में मदद की है। एक शोधकर्ता के अनुसार, वोल्टास ने अपनी कीमतों में 3-5 फीसदी की बढ़ोतरी की है। डोमेस्टिक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल प्रोजेक्ट्स और सर्विसेज बिजनेस में बेहतर ऑर्डर बुक की वजह से सालाना आधार पर 38 फीसदी की वृद्धि हुई है। कंपनी ने समय पर एग्जिक्यूशन, सर्टिफिकेशन पर ध्यान और अन्य संबंधित प्रोजेक्ट मैनेजमेंट पहलों के कारण पिछले साल के मुकाबले मजबूत मुनाफे में बढ़ोतरी को हाइलाइट किया है। बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर के खर्च को देखते हुए कंपनी ने घरेलू परियोजनाओं के व्यवसाय के लिए पॉजिटिव आउटलुक बनाए रखा है।

सेंसेक्स पहली बार 79 हजार जबकि निफ्टी 24 हजार के ऊपर पहुंचा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को रिकार्ड तेजी रही। दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही खरीदारी हावी होने से बाजार अपने अब तक के सबसे उच्च स्तर पर जाकर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुनार घरेलू अर्थव्यवस्था के मजबूत आंकड़ों के साथ ही विदेशी निवेशकों की लिवाली (खरीददारी) से बाजार रिकॉर्ड लेवल पर बंद हुआ। इसके अलावा इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टीसीएस जैसी कंपनियों के शेयरों में तेजी से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स पहली बार 79 हजार जबकि पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 24 हजार के ऊपर निकल गया।

सेंसेक्स आज 0.72 फीसदी करीब 568.93 अंक बढ़कर 79,243.18 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार निफ्टी भी 0.74 फीसदी तकरीबन 175.70 अंक बढ़कर 24,044.50 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में अल्ट्रा सीमेंट का शेयर सबसे ज्यादा 5.07 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। कंपनी के इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड में 23 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की बात से भी अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 5 प्रतिशत से अधिक बढ़ गये। इसके साथ ही एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स, इन्फोसिस, टीसीएस, कोटक बैंक, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा के शेयर भी ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर दूसरी तरफ, लार्सन एंड टुब्रो का शेयर सबसे ज्यादा 1.11 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। इसके अलावा सन फार्मा, नेस्ले, एचडीएफसी बैंक और मारुति के शेयर भी गिरे हैं। बाजार जानकारों के अनुसार ज्यादा क्षेत्रों में आज बढ़त दर्ज की गई, जिनमें आईटी और उर्जा सबसे ज्यादा वृद्धि हासिल करने वाले क्षेत्रों में रहे। वहीं व्यापक सूचकांकों में आज मिलाजुला असर रहा क्योंकि मिडकैप सूचकांक लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में आधे फीसदी से अधिक की गिरावट रही। गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों की वजह से बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। बाजार के प्रमुख इंडेक्स लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। बीएसई सेंसेक्स 0.11 फीसदी लुढ़क कर 78,583 पर आ गया। वहीं एनएसई निफ्टी50 0.12 फीसदी गिरकर 23,839.90 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं एशिया-प्रशांत बाजार में गिरावट देखने को मिली। जापान का निक्केई और कोरिया का कोस्पी 0.94 फीसदी नीचे कारोबार करते दिखे, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 1.50 फीसदी गिर गया। इसके विपरीत वॉल स्ट्रीट में बढ़त दर्ज की गई। नैस्डैक 0.49 फीसदी बढ़ा, डॉव जोन्स 0.16 फीसदी ऊपर और एसएंडपी 500 0.04 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।

एयर इंडिया से सिर्फ 883 रुपये में भर सकेंगे उड़ान

नई दिल्ली ।

हवाई जहाज में यात्रा करने वालों के लिए टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया एक्सप्रेस ने खास ऑफर की पेशकश की है। इस ऑफर के जरिए हवाई यात्री मात्र 883 रुपये में उड़ान भर सकेंगे। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस मोबाइल ऐप और अन्य प्रमुख बुकिंग प्लेटफार्मों पर सेल की घोषणा की। जो यात्री एयर इं डिया एक्सप्रेसडॉटकॉम और मोबाइल ऐप के माध्यम से बुकिंग करते हैं तो एक्सप्रेस लाइट का किराया 883 रुपये से शुरू होगा।

वहीं अन्य बुकिंग चैनलों के माध्यम से एक्सप्रेस वेल्यू का किराया 1,096 से शुरू होगा। इस ऑफर का लाभ यात्री 28 जून तक उठा सकते हैं। हालांकि, यात्रा 30 सितंबर तक मान्य रहेगी। ग्राहक जो एयर इं डिया एक्सप्रेसडॉटकॉम पर बुकिंग करते हैं, वे खास फायदे उठा सकते हैं। इनमें जीरो चेक-इन बैगेज एक्सप्रेस लाइट किराए पर विशेष छूट शामिल है। आप बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के 3 किलोग्राम कैबिन बैगेज

प्री-बुक कर सकते हैं। इसके अलावा चेक-इन बैगेज की फीस पर भी छूट है। घरेलू उड़ानों पर 15 किलोग्राम के लिए 1000 से और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 20 किलोग्राम के लिए 1300 से डिस्काउंट मिल सकता है। एयर इंडिया एक्सप्रेस के लॉयल्टी सदस्य 100 से 400 तक की विशेष छूट पा सकते हैं और वेबसाइट पर 8 फीसदी तक न्यू काइन कमा सकते हैं।

स्पेक्ट्रम नीलामी से केंद्र को मिले 11340 करोड़

नई दिल्ली । दूरसंचार स्पेक्ट्रम की नीलामी से सरकार को अनुमानित 96 हजार करोड़ रुपये की तुलना में मात्र 11,340 करोड़ रुपये ही मिल पाया जबकि इसके लिए आरक्षित मूल्य 96238.45 करोड़ रुपये रखा गया था। दूरसंचार विभाग ने स्पेक्ट्रम नीलामी पूरी होने पर जारी बयान में कहा कि इस नीलामी में देश की तीनों प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाताओं रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने बोली लगायी है। इन तीनों ने कुल मिलाकर 141.4 मेगाहर्ट्ज अर्थात नीलामी के लिए पेश स्पेक्ट्रम का 26.4 प्रतिशत के लिये बोली लगायी। नीलामी के लिए आरक्षित मूल्य पर 96,238.45 करोड़ रुपये रखे गये थे। इसमें विभिन्न बैंडों में 10,522.35 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की नीलामी होनी थी। दूरसंचार ऑपरेटरों ने जिन स्पेक्ट्रम बैंडों में भाग लिया, उनमें 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 1800 मेगाहर्ट्ज, 2100 मेगाहर्ट्ज, 2300 मेगाहर्ट्ज, 2500 मेगाहर्ट्ज, 3300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज शामिल है। दूरसंचार ऑपरेटरों ने 900 मेगाहर्ट्ज, 1800 मेगाहर्ट्ज, 2100 मेगाहर्ट्ज और 2500 मेगाहर्ट्ज बैंड के लिए बोली लगायी। इसमें भारती एयरटेल ने सबसे अधिक 6856.76 करोड़ रुपये की, वोडाफोन आइडिया ने 3510.40 करोड़ रुपये की और रिलायंस जियो ने सबसे कम 973.62 करोड़ रुपये की बोली लगाई।

रियल एस्टेट में जीएसटी छूट का उचित लाभ मिले: कंपनियां

नई दिल्ली ।

नई सरकार के गठन के साथ ही केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने चालू वित्त वर्ष के लिए बजट बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए वित्त मंत्रालय के अधिकारी और खुद वित्त मंत्री भी उद्योग जगत के विभिन्न क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मिल रही हैं। इसी क्रम में रियल एस्टेट जगत भी अपनी मांगों को वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के समक्ष मांग कर रहा है। यह क्षेत्र चाहता है कि रियल एस्टेट सेक्टर में वस्तु एवं सेवा कर या जीएसटी छूट का उचित लाभ अभी नहीं मिल पाता है। इसमें सुधार किया जाए। नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल नारेडको के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी हरि बाबू का कहना है कि सरकार को किफायती और सस्टेनेबल आवास के लिए पहलों को प्राथमिकता देना जारी रखना चाहिए। सस्ते मकान का समर्थन करने वाली नीतियां आवास की कमी को पूरा करने के साथ ही सभी नागरिकों के लिए आवश्यक जीवन स्तर को सुनिश्चित करने में मदद करेंगी। इसके साथ ही सस्टेनेबल आवास को बढ़ावा देना वैश्विक रुझानों व मानको के अनुरूप है जो पर्यावरण संबंधी चिंताओं को हल करता है, जिससे भारत हरित विकास में अग्रणी बन सकता है। इसके अनुरूप, वित्त मंत्रालय को आगामी केंद्रीय बजट में किफायती एवं मध्यम आय आवास के लिए विशेष विंडो के तहत 50,000 करोड़ रुपये की दूसरी सहायता और जीएसटी के तहत इनपुट टैक्स क्रेडिट की अनुमति देना और सभी के लिए आवास लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए किराये के आवास के लिए प्रोत्साहन देना चाहिए।

भारतीयों ने एक साल में वीडियो शॉपिंग में 20 लाख घंटे बिताए: फ्लिपकार्ट

नई दिल्ली ।

ई-वाणिज्य मंच फ्लिपकार्ट ने गुरुवार को कहा कि वीडियो प्रारूप तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और पिछले एक साल में भारतीय ग्राहकों ने उसकी वीडियो वाणिज्य पेशकशों पर 20 लाख घंटे से अधिक समय बिताया है। भारत इंटरनेट डेटा के शीर्ष उपभोक्ताओं में से एक है।

भारतीय उपभोक्ताओं के तेजी से प्रौद्योगिकी को लेकर बढ़ते प्रेम तथा उनके डिजिटल प्रारूपों की ओर आकर्षित होने से देश में वीडियो वाणिज्य में बड़ी संभावनाएं हैं। फ्लिपकार्ट के अनुसार भारतीयों ने जून 2023 से मई 2024 तक उसकी वीडियो वाणिज्य पेशकशों पर 20 लाख घंटे से अधिक समय बिताया है। कंपनी के अनुसार इसमें छोटे तथा मझोले क्षेत्रों का योगदान 65 प्रतिशत है।

लोग अधिकतर फैशन, ब्यूटी, पर्सनल केयर, होम डेकोर और फर्निशिंग जैसी श्रेणियों से जुड़ी वीडियो देखते हैं।

सीधे प्रसारित वाणिज्य वीडियो पर अधिकतम दर्शकों की संख्या 14 लाख रही। फ्लिपकार्ट की एक

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि फ्लिपकार्ट के वीडियो वाणिज्य पेशकश को विभिन्न उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। इसका मकसद न केवल बेहतर खरीदारी अनुभव प्रदान करना है, बल्कि ऑनलाइन शॉपिंग के मामले में मौजूद संभावित बाधाओं को दूर करना भी है।

कई शहरों में पेट्रोल-डीजल के भाव हल्के घटे-बढ़े

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें हल्के दबाव के साथ कारोबार कर रही हैं। इस बीच सुबह 6 बजे देश की तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के नए दाम जारी कर दिए हैं। छत्तीसगढ़, गोवा, हरियाणा और केरल समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल के दामों में बढ़े हैं। वहीं अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार और गुजरात समेत कुछ प्रदेशों में कीमतें घटी हैं। इसके अलावा, देश के 4 महानगरों समेत प्रमुख शहरों में भी पेट्रोल-डीजल के दामों में हल्की घटत और बढ़त देखने को मिली है। वहीं दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.85 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.44 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर, गोवा में पेट्रोल 96.45 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.22 रुपये प्रति लीटर है।

दुनिया की पहली सीएनजी बाइक होगी जुलाई में लांच

-बजाज ऑटो के एमडी राजीव बजाज ने किया खुलासा

नई दिल्ली ।

टू-व्हीलर निर्माता स्वदेशी बजाज ऑटो कंपनी देश ही नहीं बल्कि दुनिया की पहली सीएनजी बाइक लॉन्च करने जा रही है। कंपनी इसे 5 जुलाई को अपने पुणे स्थित चाकन प्लांट में लॉन्च कर सकती है। बाइक में पेट्रोल के साथ-साथ सीएनजी टैंक भी लगाया गया है।

यह बाइक तब चर्चा में आई थी जब बजाज ऑटो के एमडी राजीव बजाज ने इसका खुलासा एक इंटरव्यू में किया था। उन्होंने कहा था कि बजाज क्लीन फ्यूल पर चलने वाला इंजन विकसित कर रही है और ये दुनिया की पहली सीएनजी बाइक हो सकती है। अब बजाज की सीएनजी बाइक के कुछ नई तस्वीरें सामने आई हैं, जिन्हें रशलेन ने शेयर किया है। तस्वीरों से पता चलता है कि ये एक नेकेड डिजाइन की बाइक होने वाली है, जिसमें आगे टेलीस्कोपिक फोर्क और पीछे मोनोशॉक सस्पेंशन सेटअप दिया गया है। इसके अलावा बाइक में राउंड शेप में एलईडी हेडलाइट, छोटा साइलेंसर, अलॉय व्हील्स, ग्रैब रेल जैसे फीचर दिए गए हैं। बाइक का डिजाइन देखकर लगता है कि कंपनी इसे 125सीसी इंजन में पेश कर सकती है। हालांकि, ये बाइक का टेस्टिंग मॉडल है और प्रोडक्शन मॉडल इससे कुछ अलग भी हो सकता है। बजाज कीसीएनजीमोटरसाइकिल में डुअल फ्यूल सिस्टम दिया जा सकता है यानी बाइक सीएनजी के साथ-साथ पेट्रोल से भी चलेगी। फ्यूल को बदलने के लिए बाइक में एक डेडिकेटेड स्विच भी मिल सकता है, जो चालक को सीएनजी से पेट्रोल या पेट्रोल से सीएनजी पर स्विच करने की सुविधा देगा।

इसके एबीएस और नॉन-एबीएस दोनों वैरिएंट पेश किए जा सकते हैं। सीएनजी मोटरसाइकिल में गियर इंडिकेटर, गियर गाइडेंस और एबीएस इंडिकेटर जैसी डिटेल के साथ सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल मिलने की उम्मीद है। स्पाई शॉट्स में एलईडी हेडलाइट देखी जा सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी ने इस बाइक में सीएनजी टैंक सीट के नीचे फिट किया है, जबकि पेट्रोल टैंक अपनी सामान्य जगह में होगा।बजाज की सीएनजी मोटरसाइकिल के फीचर्स की बात करें तो इसके दोनों सिरों पर 17-इंच के व्हील और 80/100 ट्यूबलेस टायर्स मिलने की उम्मीद है।

साउथ अफ्रीका टीम ने रचा इतिहास, अफगानिस्तान को दी 9 विकेट से मात पहली बार टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची

त्रिनिदाद (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल के लिए साउथ अफ्रीका ने अपने नाम की मुहर लगा दी है। साउथ अफ्रीका ने गुरुवार को हुए सेमीफाइनल मुकाबले में अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराकर टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। बता दें कि, ये पहली बार है जब अफ्रीकी टीम टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची है, इसके साथ ही टीम ने इतिहास भी रच दिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुअ अफगान टीम महज 56 गेंदों पर धराशाही हो गई, जिसके जवाब में अफ्रीकी टीम ने आसानी से इस टारगेट को चेज कर लिया।

साउथ अफ्रीका के लिए रीजा हेंड्रिक्स ने 29 रन बनाए। वहीं कप्तान एडम मार्क्रम ने 23 रन बनाए। ये दोनों खिलाड़ी अंत तक आउट नहीं हुए और महज 8.5 ओवर्स में ही टारगेट को चेज कर लिया। टीम की शुरुआत बेहद ही खराब रही। जब क्विंटन डिकॉक सिर्फ 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए उन्हें फजलहक फारूकी ने अपना शिकार बनाया। इसके साथ ही अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, जो बाद में गलत साबित हुआ। टीम के बल्लेबाज बुरी तरह फ्लॉप रहे और कोई भी खिलाड़ी दमदार प्रदर्शन नहीं कर सका। अजमतुल्लाह उमरजई ही दोहरे अंक तक पहुंच पाए थे, उन्होंने 10 रन बनाए। जबकि रहमानुल्लाह गुरबाज, नूर अहमद और मोहम्मद नबी अपना खाता तक नहीं खोल पाए। इसी कारण से अफगानिस्तान टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई और महज 56 रनों पर ही समिट गई। टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में किसी भी टीम द्वारा बनाया गया ये सबसे कम स्कोर है। दूसरी तरफ साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों का प्रदर्शन काबिले तारीफ था। मार्को जेसन ने 3 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। वहीं तबरेज शम्सी ने भी तीन विकेट अपने नाम किए। कगिसो रबाडा और एनरिक नॉर्खिया ने 2-2 विकेट चटकाए।

सेमीफाइनल में करारी हार से हताश नजर आये अफगानिस्तान के कप्तान राशिद

त्रिनिदाद (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सेमीफाइनल में पहुंचकर सबको हैरान करने वाली अफगानिस्तान की टीम जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में बिखरी है उससे सभी हैरान हैं। ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम को सुपर 8 में हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने वाली अफगानिस्तान की टीम दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के सामने ताश के पत्तों की तरह से ढ़ह गयी। उसे दक्षिण अफ्रीका ने एकतरफा सेमीफाइनल में 9 विकेट से हरा दिया। इस हार ने अफगानिस्तान के खिलाड़ियों के साथ ही प्रशंसक भी निराश हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली करारी हार ने अफगानिस्तान के खिलाड़ियों को हताश कर दिया। सेमीफाइनल समाप्त होते ही अफगानिस्तान के खिलाड़ी मायूस नजर आये। कप्तान राशिद खान समझ ही नहीं पाये कि मैच कब हाथ से निकल गया।

सेमीफाइनल में हारने के बाद भी अफगानी खिलाड़ियों ने मैदान का चक्कर लगाया। उन्होंने टीम का समर्थन करने स्टेडियम पहुंचे प्रशंसकों का आभार भी जताया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया पर उसकी टीम अफ्रीकी गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी।

वहीं शुरुआती ग्रुप मैचों में अफगानिस्तान की टीम बेहतरीन फॉर्म में चल रही थी। उसने ग्रुप राउंड में न्यूजीलैंड जैसी मजबूत टीम को हराया था। फिर सुपर-8 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत हासिल की। इसके बाद अपने से कहीं बेहतर रैंकिंग वाली बांग्लादेश को हराया।

शुभमन की कप्तानी में एक जुलाई को जिम्बाब्वे रवाना होगी भारतीय टीम

-यशस्वी , सैमसन सहित चार खिलाड़ी बाद में रवाना होंगे

मुम्बई (एजेंसी)। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलने एक जुलाई को जिम्बाब्वे रवाना होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में इस दौरे के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की थी। इस दौरे में बोर्ड ने अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देते हुए युवाओं को अवसर दिया है। इस दौरे पर जाने वाले खिलाड़ी अभी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में हाई-परफॉर्मेंस कैंप में प्रशिक्षण ले रहे हैं। वहीं इस दौरे के लिए चयनित यशस्वी जयसवाल, संजू सैमसन, रिंकू सिंह और खलील अहमद टी20 विश्वकप समाप्त होने के बाद रवाना होंगे।

इस दौर के लिए युवा विकेटकीपर ध्रुव जुरेल और बल्लेबाज रियान पराग अभी राजस्थान रॉयल्स के उच्च प्रदर्शन केंद्र में तैयारी कर रहे हैं। वे वहां लगभग एक सप्ताह प्रशिक्षण में बिताएंगे और मुंबई में अन्य खिलाड़ियों से मिलेंगे। वर्तमान एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण, अंतरिम भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में युवा टीम के साथ यात्रा करेंगे। एनसीए के सहयोगी स्टाफ के भी लक्ष्मण के साथ रहने की उम्मीद है।

सीरीज का कार्यक्रम इस प्रकार है

पहला टी20ई : 6 जुलाई, हरारे स्पोर्ट्स क्लब

दूसरा टी20ई : 7 जुलाई, हरारे स्पोर्ट्स क्लब

तीसरा टी20ई : 10 जुलाई, हरारे स्पोर्ट्स क्लब

चौथा टी20ई : 13 जुलाई, हरारे स्पोर्ट्स क्लब

5वां टी20ई : 14 जुलाई, हरारे स्पोर्ट्स क्लब

ये सभी मुकाबले शाम 4-30 बजे से खेले जाएंगे

अफगानिस्तान बनी टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में सबसे कम स्कोर बनाने वाली टीम

त्रिनिदाद (एजेंसी)। अफगानिस्तान की टीम के नाम आईसीसी टी20 विश्वकप में एक ऐसा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह याद नहीं रखना चाहेगी। अफगानिस्तान की टीम सेमीफाइनल में के खिलाफ केवल 56 रन बना पायी। ये आईसीसी टी20 विश्वकप सेमीफाइनल का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले का सबसे छोटा स्कोर श्रीलंका के नाम था। श्रीलंकाई टीम 2010 में टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 11.5 ओवर में 128 रन ही बना पायी थी।

अपने क्रिकेट इतिहास का सबसे बेहतर कर सेमीफाइनल में पहुंची अफगानिस्तान की टीम से उसके प्रशंसकों को काफी उम्मीदें थीं पर उसने निराश किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगान टीम की शुरुआत खराब रही। उसके सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज बिना खाता खोले ही आउट हो गए। इसके बाद उसके बल्लेबाज एक के बाद एक पेवेलियन लौटने लगे। चार रन पर पहला विकेट गंवाने वाली अफगानिस्तान की टीम ने 20 रन पर चौथा, 23 रन पर पांचवां, 28 रन पर छठा विकेट खो दिया। उसकी पूरी टीम 71 गेंद में 56 रन बनाकर पेवेलियन लौट गयी।

सबसे अधिक 10 रन चौथे अजमतुल्लाह ओमरजई ने बनाये। उन्होंने 12 गेंद में 10 रन बनाए। वहीं सबसे अधिक 13 रन अतिरिक्त रहे। ये रन वाइड आर लेगबाई से आये। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों तबरेज शम्सी और मार्को यानसेन ने 3-3 विकेट लिए। शम्सी ने तो केवल 1.5 ओवर के स्पेल में 6 रन देकर 3 विकेट ले लिए। वहीं यानसेन ने 3 ओवर के स्पेल में 16 रन दिए और 3 विकेट अपने नाम किए। कैगिसो रबाडा और एनरिक नॉर्किया को दो-दो विकेट मिले।

इस तरह की पिच पर कोई भी विश्व कप सेमीफाइनल नहीं खेलना चाहेगा: अफगानिस्तान कोच

तारोबा (त्रिनिदाद) (एजेंसी)। अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां टी20 विश्व कप सेमीफाइनल के लिए इस्तेमाल की गई पिच की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह के बड़े मुकाबले के लिए यह उपयुक्त नहीं थी। इस पिच से तेज गेंदबाजों को मूवमेंट मिल रहा था और इसमें अनिश्चित उछाल दी थी। अफगानिस्तान की टीम इस पिच पर केवल 56 रन बनाकर आउट हो गई जो टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूनतम स्कोर है। दक्षिण अफ्रीका ने भले ही लक्ष्य 8.5 ओवर में हासिल कर दिया लेकिन उसके बल्लेबाजों को भी संघर्ष करना पड़ा।

ट्रॉट ने मैच के बाद कहा, 'मैं खुद को परेशानी में नहीं डालना चाहता और मैं अंगूर खट्टे हैं जैसा मामला भी नहीं बनना चाहता लेकिन यह उस तरह की पिच नहीं थी जिस पर कोई विश्व कप का सेमीफाइनल खेलना चाहेगा।% इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि

इस पिच ने बल्लेबाजी को पूरी तरह से खेल से बाहर कर दिया। उन्होंने कहा, 'मुकाबला बराबरी का होना चाहिए। मैं ऐसा नहीं कह रहा हूं कि यह सपाट होनी चाहिए जिसमें स्पिन या सीम मूवमेंट न हो। मेरे कहने का मतलब है कि आपको बल्लेबाजों की भी चिंता होनी चाहिए। बल्लेबाजों को अपने पांव के मूवमेंट पर विश्वास होना चाहिए और उन्हें अपने कौशल का उपयोग करने में सक्षम होना चाहिए।'

ट्रॉट ने कहा, 'टी20 का खेल आक्रामकता तथा रन बनाने और विकेट लेने से जुड़ा है। यह प्रारूप क्रीज पर टिके रहने के लिए नहीं बना है।' तारोबा में विश्व कप के पांच मैच खेले गए जिनमें से पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम केवल एक बार 100 रन के पार पहुंची। मेजबान वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ छह विकेट पर 149 रन बनाए और उसका सफलतापूर्वक बचाव भी किया। अफगानिस्तान का अपना पहला विश्व कप सेमीफाइनल खेलने से पहले काफी व्यस्त कार्यक्रम था और ट्रॉट ने कहा कि उनके खिलाड़ी थके हुए थे।

उन्होंने कहा, 'हम पिछले मैच के बाद तीन बजे होटल पहुंच पाए थे और इसके 5 घंटे बाद हमें निकलना पड़ा। इस तरह से हमें सोने का बहुत अधिक वक्त नहीं मिला और खिलाड़ी वास्तव में थके हुए थे।' ट्रॉट ने कहा, 'लेकिन हम अपने कार्यक्रम से अवगत थे और यह कोई बहाना नहीं है। जब आप विश्व कप या किसी टूर्नामेंट में खेलते हैं तो सभी चीजें आपके अनुरूप नहीं होती हैं और आपको इन मुश्किलों का सामना करते हुए आगे बढ़ना होता है।

भारत 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है :राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली ।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि युवाओं को खेलों में भी आगे बढ़ने के नए अवसर मिल रहे और भारत 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। राष्ट्रपति ने आज संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को

संबोधित करते हुए कहा, 'मेरी सरकार के प्रभावी प्रयासों का परिणाम है कि भारत के युवा खिलाड़ी वैश्विक मंचों पर रिकॉर्ड 'संख्या में मेडल्स जीत रहे हैं। कुछ ही दिनों बाद पेरिस ओलंपिक भी शुरू होने जा रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'ओलंपिक्स में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले हर खिलाड़ी पर हमें गर्व है। मैं उन्हें अपनी शुभकामनाएं देती हूं। इन उपलब्धियों को और आगे ले जाने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी की तैयारी भी कर रहा है।'

बुमराह मुझसे 1000 गुना बेहतर गेंदबाज : कपिल देव

नई दिल्ली ।भारत के पहले विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने कहा कि जब वह गेंदबाजी करते थे, तब से तुलना की जाए तो जसप्रीत बुमराह उनसे 1000 गुना बेहतर गेंदबाज हैं।

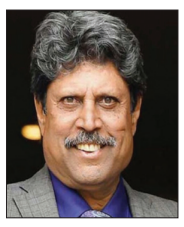

बुमराह मौजूदा टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्होंने अब तक 23 ओवर में 11 विकेट चटकाए हैं। कपिल ने कहा कि बुमराह मुझसे 1000 गुना बेहतर गेंदबाज हैं। ये युवा हमसे कहीं बेहतर हैं। हमारे पास अधिक अनुभव था। वे बेहतर हैं। बुमराह को इस समय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज माना जाता है। भारत के लिए 26 टेस्ट खेल चुके इस गेंदबाज ने 159 विकेट चटकाए हैं। वह 89 वनडे में 149 विकेट और 68 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 85 विकेट झटक चुके हैं। कपिल ने अपने करियर का समापन 434 टेस्ट विकेट के विश्व रिकॉर्ड के साथ किया था और उन्हें अब तक के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडरों में से एक माना जाता है। उन्होंने 253 वनडे विकेट भी लिए हैं। भारत को 1983 में पहला विश्व कप खिताब दिलाने वाले 65 वर्षीय कपिल ने मौजूदा राष्ट्रीय टीम के फिटनेस स्तर की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी बहुत अच्छे हैं। उत्कृष्ट हैं। वे अधिक फिट हैं। वे बहुत अधिक मेहनती हैं। वे शानदार हैं। बहरहाल, टीम इंडिया अभी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल मुकाबले की तैयारी कर रही है। गुयाना के मैदान पर बारिश ने सबकी चिंता बढ़ाई हुई है। हालांकि टीम इंडिया को एक फायदा यह भी हो सकता है कि अगर मैच न हुआ तो वह अपने ग्रुप में पहले नंबर पर रहने के साथ अपने आप ही फाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाएगी।

अगले माह एशिया कप में होगा भारत-पाक की महिला क्रिकेट टीमों में मुकाबला

मुम्बई (एजेंसी)। अब प्रशंसकों को एक बार फिर भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अनुसार ये मुकाबला अगले माह श्रीलंका में भारत और पाकिस्तान की महिला टीमों के बीच एशिया कप में खेला जाएगा। एशिया कप 19 से 28 जुलाई तक खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबला 19 जुलाई को पाकिस्तान से होगा। इस बार एशिया कप में मेजबान श्रीलंका सहित आठ टीमें भाग लेंगी। पिछली बार से अलग करते हुए इस साल आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। इसमें भारत, पाकिस्तान, यूएई और नेपाल को ग्रुप ए में जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड और मलेशिया ग्रुप बी में रहेंगे। .

एसीसी के अनुसार भारतीय टीम 21 जुलाई को यूएई और 23 जुलाई को नेपाल से खेलेगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। सेमीफाइनल मुकाबला 26 जुलाई को खेला जाएगा। वहीं फाइनल 28 जुलाई को होगा। टूर्नामेंट में एक बार मैच अधिकारी की भूमिका में सभी महिला अधिकारी नजर आयेंगी।अब एशिया कप में

भारतीय टीम ने सबसे अधिक कुल सात बार इस खिताब जीता है। वहीं एक बार इसे बांग्लादेश ने जीता था।

पीसीबी की समीक्षा बैठक में उठेगा खिलाड़ियों के निजी कार्यक्रमों में जाने का मामला

लाहौर ।आईसीसी टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के क्रिकेटरों की मुश्किले बढ़ना तय है। इसका कारण है कि खिलाड़ियों पर टूर्नामेंट के दौरान निजी कार्यक्रमों के जरिये पैसा कमाने के आरोप लगे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक टीम के कुछ खिलाड़ियों ने एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 2500 डॉलर लिए थे। इस कार्यक्रम का आयोजन डलास में किया गया था। इसके बाद एक अन्य कार्यक्रम आयोजित होना था पर कप्तान बाबर आजम और बाकी खिलाड़ियों को दी जाने वाले पैसे में अंतर के कारण इसे रद्द करना पड़ा था। अब ये सारे मामले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की समीक्षा बैठक में उठाए जाने तय हैं। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि खिलाड़ियों की अनुशासनहीन और लापरवाही के लिए टीम प्रबंधन भी जिम्मेदार है। उसने ही खिलाड़ियों को काफी रियायतें दी थीं। इसके अलावा टीम में मतभेद और गुटबाजी का भी मामला समीक्षा बैठक में उठान तय है। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम दो गुटों में बंटी हुई है और कप्तानी को लेकर बाबर आजम और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के बीच मतभेद हैं। ऐसे में बड़े बदलाव होने की संभावना है। इसके साथ ही खिलाड़ियों के लिए आचार संहिता बनाने पर भी विचार किया जा रहा है, जिनकी टूर्नामेंट के दौरान परिवार को साथ लाने और प्रमोशनल इवेंट्स में जाने को लेकर आलोचना हो रही है। पाकिस्तान की टीम विश्वकप के पहले दौर में ही बाहर हो गई। उसे अमेरिका के खिलाफ अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था।

गुकेश ने सुपरबेट क्लासिक शतरंज में डेक बोगडान-डेनिएलिन को हराया

बुखारेस्ट। (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने यहां सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में रोमानिया के डेक बोगडान-डैनियल को हराकर सकारात्मक शुरुआत की। इस साल के आखिर में मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को चुनौती देने को तैयार गुकेश को इस मुकाबले के दौरान किस्मत का भी साथ मिला, जब उनकी गलती पर रोमानिया का खिलाड़ी फायदा उठाने में नाकाम रहा। गुकेश ने इसके बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की।

गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने के बाद पहली बार क्लासिकल शतरंज की किसी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। इस टूर्नामेंट में चुनौती पेश कर रहे एक अन्य भारतीय आर प्रज्ञाननंदा ने कड़ी मेहनत की लेकिन उन्हें उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव के खिलाफ कड़े मुकाबले में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। अमेरिका के फैबियानो कारुआना भी शुरुआती दौर में जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे। उन्होंने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराया। दस खिलाड़ियों के राउंड-रोबिन टूर्नामेंट में अन्य दो मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए। बोगडान-डैनियल ने 'निम्जो इंडियन डिफेंस' चाल के शुरुआत की जिसने मुकाबला बीच में जटिल बना दिया। रोमानिया के खिलाड़ी के पास गुकेश पर बढ़त बनाने का मौका था लेकिन उन्होंने प्यादा के मुकाबले अपने 'रूक (हाथी)' को गंवा दिया। गुकेश इसके बाद मजबूत वापसी करने में सफल रहे। उन्होंने विरोधी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं देते हुए जीत दर्ज की। काले मोहरों से खेल रहे प्रज्ञानानंदा को अब्दुसात्तोरोव से कड़ी चुनौती मिली। दोनों खिलाड़ी 60 चालों के बाद बराबरी पर सहमत हो गये।

पेरिस ओलंपिक की पैदल चाल स्पर्धा में भाग लेंगे अक्षदीप

नई दिल्ली ।आगामी पेरिस ओलंपिक में पैदल चाल स्पर्धा में भारत के अक्षदीप सिंह भाग लेंगे। पंजाब की ओर से खेलने वाले अक्षदीप ने ओलंपिक्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अक्षदीप ने रांची में राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा में जीत के साथ ही ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है। 20 किमी पैदल चाल में राष्ट्रीय रिकार्ड धारी अक्षदीप रांची में राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा जीतकर ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किस था। तब अक्षदीप ने एक घंटे 19 मिनट 38 सेकंड का समय निकालकर एक घंटे 19 मिनट 55 सेकंड का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा था। इस खिलाड़ी का ओलंपिक तक का सफर आसान नहीं रहा है। अक्षदीप ने तरनतारन में आयोजित अंडर-18 नॉर्थ इंडिया चैंपियनशिप में अपना पहला कांस्य पदक जीता। इसके बाद उन्होंने अंडर-18 जूनियर नेशनल में भाग लिया और रजत पदक जीता। 2017 में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में उसने फिर से रजत पदक जीता। हालांकि, 2019 में घुटने की चोट के कारण वह इटली में हुए विश्व विश्वविद्यालय खेलों में हिस्सा नहीं ले पाए। उन्होंने फरवरी 2020 में राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में हिस्सा लिया, लेकिन 12वां स्थान हासिल किया। 2023 को उसने 47वीं ऑल जापान रेस वॉकिंग मीट में हिस्सा लिया और 12वें स्थान पर रहे।

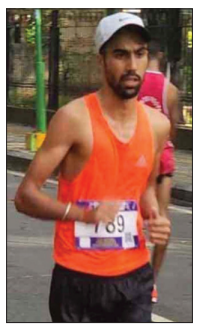

अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश को पदक दिलाना लक्ष्य: मीराबाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने अगले महीने शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश को एक और पदक दिलाने का लक्ष्य रखा है। मीराबाई पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का करने वाली भारत की इकलौती भारोत्तोलक है। 49 किग्रा वजन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली यह खिलाड़ी पदक के सपने को पूरा करने के लिए चोट से बचने पर ध्यान दे रही है।

तीसरी बार ओलंपिक खेलों में भाग लेने की तैयारी कर रही मीराबाई ने साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण), आईओसी (भारतीय ओलंपिक संघ) और भारतीय भारोत्तोलक महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) के सौजन्य से आयोजित ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में पटियाला से कहा, 'पेरिस को लेकर रोमांचित हूं लेकिन थोड़ी घबराहट और तनाव भी है। पिछले तीन साल (तोक्यो ओलंपिक के बाद) में मेरे काफी प्रतिद्वंद्वी बदल गये हैं। भारत के लिए पदक जीतने का दबाव है लेकिन अगर मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रही तो देश के लिए पदक जीत सकती हूं।''

मीराबाई चानू का स्नैच में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 88 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 119 किग्रा का है। वह चोटों से जूझती रही हैं और पीठ की समस्या तो हमेशा ही रहती है। एशियाई खेलों में वह कूल्हे की चोट से परेशान थीं जिससे वह पांच महीने तक खेल से दूर रहीं। अपने अमेरिकी फिजियो डॉ. आरोन हॉर्शिग और कोच विजय शर्मा के साथ चोटों से उबरना उनकी बड़ी चुनौती रही है। उन्होंने कहा कि वह धीरे-धीरे वजन उठाने की क्षमता को बढ़ा रही है।

मीराबाई ने कहा, 'मैं धीरे-धीरे वजन उठाने की अपनी क्षमता को बढ़ा रही हूं। अभी मैंने 80-85 प्रतिशत फिटनेस हासिल कर ली है और अभ्यास के दौरान स्नैच में 70 से 80 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 100 से 110 किग्रा का भार उठा रही हूं। हम इसे धीरे-धीरे बढ़ाएंगे।' उन्होंने अपने भार उठाने के लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'इस बारे में कुछ कहना मुश्किल है लेकिन मेरी कोशिश स्नैच में 90 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में पहले से बेहतर करने की होगी।'

मणिपुर की इस खिलाड़ी ने कहा कि अभी उनका पूरा ध्यान चोट से बचने पर है। उन्होंने हॉर्शिग की तारीफ करते हुए कहा, 'उनकी मौजूदगी से काफी मदद मिली है। मैं 2020 से उनके साथ काम कर रही हूं और वह अच्छे से समझते है कि मेरे शरीर में कहां परेशानी है। वह जानते है कि चोट से कैसे जल्दी उबरना है और किस तरह से अभ्यास को आगे बढ़ाना है।% मीराबाई ने कहा, 'मैंने चोटिल होने के बाद काफी कुछ सीखा है। उससे निपटने और उबरने के साथ सही खान-पान और विश्राम पर ध्यान देना काफी जरूरी होता है।'

मीराबाई ओलंपिक की तैयारियों को दुरुस्त करने सात जुलाई को पेरिस जा रही है। वह वहां एक महीने तक अभ्यास करेंगी। ओलंपिक में उनकी स्पर्धा का आयोजन सात अगस्त को होगा। मीराबाई ने कहा, 'मैं सात जुलाई को पेरिस

जा रही हूं। प्रतियोगिता से एक महीने पहले वहां पहुंचने से काफी फायदा मिलेगा।' उन्होंने अपना समर्थन करने के लिए साइ, टॉप्स (टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम और आईडब्ल्यूएलएफ का शुक्रिया करते हुए कहा, 'किसी भी खिलाड़ी के लिए ओलंपिक के मेजबान शहर में एक महीने तक अभ्यास का मौका मिलना बड़ी बात है। इन सबने मेरी काफी मदद की है।'

पेरिस ओलंपिक के भारतीय हॉकी टीम में शामिल उत्तर प्रदेश के राजकुमार

लखनऊ ।उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के राजकुमार पाल का चयन आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए 16 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम में हुआ है। राजकुमार के चयन से जिले के लोगों में खुशी की लहर है। राजकुमार पाल ने अपने करियर की शुरुआत करमपुर गांव स्थित मेघबरन स्टेडियम से शुरू की थी थी। राजकुमार पाल अभी बेंगलुरु में ट्रेनिंग कैंप में भाग ले रहे हैं। अब पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम के साथ वह भी खेलने जाएंगे। पिछले 4 सालों से वह राष्ट्रीय टीम का हिस्सा रहे हैं। लगातार बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें पेरिस ओलंपिक की हॉकी टीम में जगह मिली है। राजकुमार ने सबसे पहले साल 2020 में भी भारतीय टीम की ओर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

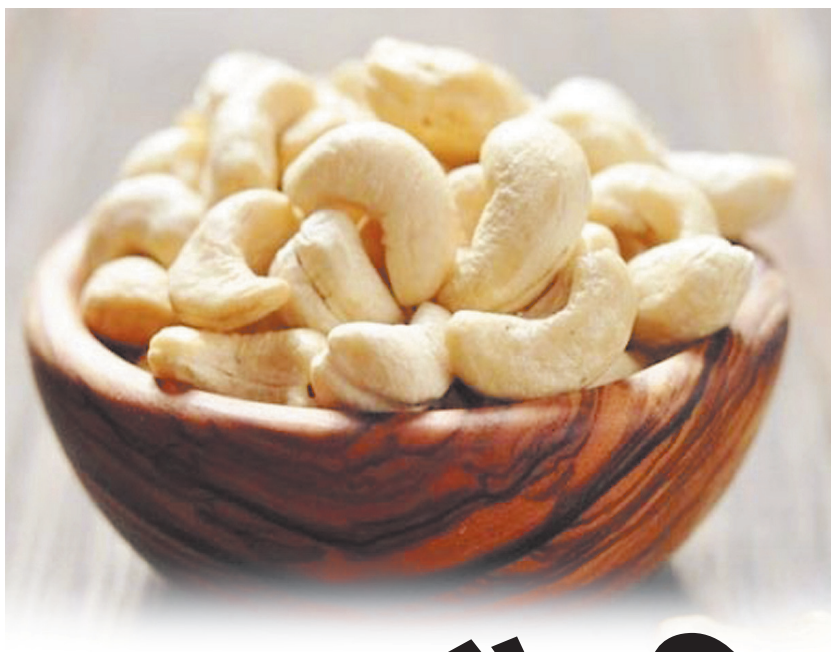

उत्तम औषधि है काजू

मेवे का प्रयोग उत्तम औषधि के रूप में किया जाता है। क्योंकि मेवा स्वाद की नहीं बल्कि सेहत की दृष्टि से भी उतनी ही फायदेमंद हैं। काजू में मैग्नीशियम पाया जाता हैं जो उच्च रक्तचाप को कम करने में और दिल के दौरे को रोकने में मदद करता है। काजू कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी संतुलित रखता है। काजू में प्रोटीन की मात्रा काफी होती है जो बॉडी व हड्डियों को मजबूत बनाती है। चाहे मिठाई में काजू कतली हो या फिर दूसरे पकवानों में काजू का इस्तेमाल। काजू किसी भी आम डिश को शाही बना सकता है। अब जब काजू हमें इतना पसंद ही है तो इससे होने वाले लाभ के बारे में भी जान लेना चाहिए। काजू में प्रोटीन, खनिज लवण, लौह, फाइबर, फोलेट, मेग्नीशियम, फॉस्फोरस, सेलेनियम, और तांबा का अच्छा स्त्रोत है। काजू का तेल, स्कर्वी मस्सा और रिंगवर्म के उपचार के लिए इस्तेमाल किया जाता है। आप प्रतिदिन 7-10 काजू का सेवन कर सकते हैं। काजू खाने से मसूडों और दांतों को स्वस्थ रखता है। काजू में मोनो सैचुरेटड फैट होता है जो की दिल को स्वस्थ रखता है ओर दिल की बीमारियों के खतरे को कम करते में मदद करता है। काजू में एंटी ओक्सिडेंट भी होते हैं जो कैंसर से बचाव करता है। काजू पाचन शाक्ति को बढाता है। इससे भूख भी कहीं अधिक लगती है। आंतों में भरी गैस कम किया जा सकता है। काजू में पाए जानवाले फाइटो-केमिक्लस कैंसर और दूसरे बीमारियों से सुरक्षा करते हैं। जिन महिलाओं को मेनोपॉज है उन्हें तनाव, स्ट्रेस होनो एक आम सा समस्या है। उन महिलाओं को रोजाना एक काजू खाना चाहिए। काजू में पर्याप्त मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है। काजू में अधिक एनर्जी होती है और इसमें अधिक मात्रा में फाइबर होता है। इसलिए इसको खाने से शरीर का वजन संतुलित रहता है।

खीरे में हैं सेहत व सौन्दर्य के अनगिनत गुण

खीरा सेहत के लिए काफी लाभकारी माना जाता है। ये सेहत के साथ-साथ सौंदर्य में बहुत फायदेमंद होता है। कम फेट व कैलोरी से भरपूर खीरे का सेवन आपको कई रोगो से बचाने में सहायता करता है। खीरे को आप कई तरह से खा सकते हैं, जैसे सलाद, जूस, सैंडवीच, या यूं ही नमक छिडक कर भी खा सकते हैं। खीरे के स्वास्थ्यवद्रधक और सौन्दर्यवद्रधक गुण दोनों अनगिनत होते हैं जैसे आयुर्वेद के अनुसार खीरा, पित्त, रक्त पित्त दूर करने वाला तथा रक्तविकार और मूत्र कच्छ नाशक रूचिकर फल है। खीरे के प्रयोग से पेट तथा जिगर की जलन शांत होती है। खीरे का नियमित सेवन से मासिक धर्म में होने वाली समस्याओं से भी छुटकारा मिलता है। खीरा एक ऐसी सब्जी है जिसमें कोलेस्ट्रोल बिल्कुल नहीं होता। यह हृदय रोगी के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। एक अध्ययन के अनुसार खीरा में जो स्टे्रराल नाम का योगिक होता है वह कोलेस्ट्रोल को कम करने में मदद करता है। खीरे में कैलोरी कम और फाइबर उच्च मात्रा में होता है। इसलिए मीडे डे में भूख लगने पर खीरा खाने से पेट देर तक भरा हुआ रहता है। आयुर्वेद के मुताबिक पेट में गर्मी होने के वजह से मुंह से बदबू निकलता है, खीरा पेट को शीतलता प्रदान करने में मदद करता है।

गर्भाशय में रसौली के लक्षण जान इस तरह करें घरेलू उपचार

बिगड़ते लाइफस्टाइल में महिलाओं में कई समस्याएं देखने को मिलती है, इन्हीं में से एक फाइब्रॉइड यानी रसौली। फाइब्रॉइड या रसौली की गांठें महिलाओं के गर्भाशय में या उसके आसपास बनती है। इस बीमारी के ज्यादातर लक्षण न होने के कारण महिलाओं को इसका पता नहीं चल पाता। एक शोध के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत महिलाएं रसौली का शिकार होती है। वैसे तो अक्सर यह समस्या 30 से 50 की उम्र में देखने को मिलती है लेकिन गलत खान-पान के कारण यह समस्या इससे कम उम्र में हो जाती है। मोटापे से ग्रस्त महिलाओं का एस्ट्रोजन हार्मोन स्तर ज्यादा होने के कारण उन्हें इसका खतरा सबसे अधिक होता है। इस बीमारी के कुछ सामान्य लक्षणों से इसकी पहचान करके आप इससे बच सकते है। तो आइए जानते है फाइब्रॉइड के लक्षण और इसे दूर करने के कुछ घरेलू उपाय।

फाइब्रॉइड या रसौली के लक्षण

पीरियड्स के दौरान भारी ब्लीडिंग
अनियमित पीरियड्स
पेट के नीचे के हिस्से में दर्द
प्राइवेट पार्ट से खून आना
कमजोरी महसूस होना
प्राइवेट पार्ट से बदबूदार डिस्चार्ज
पेट में अचानक दर्द कब्ज
पेशाब रुक-रुककर आना

फाइब्रॉइड या रसौली के घरेलू उपाय

केस्टर ऑयल

दिन में 2 बार केस्टर ऑयल और अदरक के रस को मिला कर लें। सुबह और रात में सोने से पहले इसका सेवन इस बीमारी को दूर करता है।

लहसुन

रसौली की समस्या होने पर खाली पेट रोज 1 लहसुन का सेवन करें। लगातार 2 महीने तक इसका सेवन इस समस्या को जड़ से खत्म कर देता है।

बरडॉक रूट

यह जड़ी-बूटी एस्ट्रोजन को डिटॉक्स कर गर्भाशय फाइब्रॉइड को कम करने में मदद करती है। एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण से भरपूर इस जड़ी-बूटी का सेवन इस समस्या और कैंसर के खतरे को कम करता है।

सेब का सिरका

गर्म पानी के साथ सुबह शाम सेब का सिरका पीने से फाइब्रॉइड की समस्या दूर होती है। इसके अलावा इसका सेवन फाइब्रॉइड से होने वाले पेट दर्द को भी दूर करता है।

चेस्टबेरी

यह हर्ब हार्मोन संतुलन करके एस्ट्रोजन के कम स्तर को बनाए रखने और सूजन को कम करने में मदद करता है। चेस्टबेरी हर्ब से बने मिश्रण की 25-30 बूंदों को दिन में दो से चार बार लेने से आपकी यह समस्या दूर हो जाएगी।

हल्दी

एंटीबॉयोटिक गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकाल देता है। यह फायब्रॉइड की ग्रोथ को रोक कर कैंसर का खतरा कम करता है।

दांतों में कैविटी की समस्या को इन तरीकों से करें दूर

सफेद और सुंदर दांत व्यक्ति की खूबसूरती को और बढ़ादेते हैं। इनके बिना खाना खाने का कोई मजा नहीं आता। ऐसे में दांतों की सही देखभाल करना बहुत ही जरूरी होता है। कुछ लोग के गलत खान-पान या सही तरीके से दांतों की देखभाल न करने पर इनमें कैविटी यानी कीड़ा लग जाता है। यह किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता है। कई बार कीड़ा लगने से इतना दर्द होता है कि उसको सहन करना बहुत मुश्किल हो जता है। इस दर्द से छुटकारा पाने के लिए कई लोग दवाइयां और ट्रीटमेंट का सहारा भी लेते हैं। जो की बहुत मंहगा है। ऐसे में आप नैचुरल तरीके से भी दांतों में लगे कैविटी को आसानी से हटा सकते हैं। तो आइए जानते हैं उन तरीकों के बारे में।

क्या है कैविटी

शक्करयुक्त खाद्य पदार्थो यानि बिस्किट्स, चॉकलेट्स, आलू, केला को खाने से मुंह में अमल बनने लगते हैं। इससे दांतों में धीर-धीरे छोटे-छोटे से छिद्र बन जाते हैं। बाद में इन्हीं छिद्रों में कैविटी या कीड़ा लगत जाता है। इसके अलावा दांतों में संक्रमण होने पर भी कैविटी बन सकती है। इसका इलाज न करावाने पर दांतों के खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। पीड़ित व्यक्ति को दांत खोने पड़ सकते हैं।

ऐसे करे कैविटी से बचाव

मिठाई, कैंडी और चॉकलेट खाना कम करें।
शक्करायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचें।
ज्यादा मिठ्ठा फल न खाएं।
सोडा न पीएं। इसमें 12 से 40 ग्राम चीनी की मात्रा होती है जो कि दांतों के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं होती।खाने के बाद कुल्ला करें।
तेल और मसालेदार भोजन न खाएं।
ज्यादा गर्म या ठंडा खाना खाने से बचें।

कैविटी लगे दातों का घरेलू इलाज

नारियल या सूरजमुखी का तेल

कीड़ा लगे दांतों में तेल भरना सबसे बेस्ट घरेलू तकनीक है। इसके लिए आप नारियल तेल या सूरजमुखी का तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। 1 चम्मच तेल को अपने मुंह में कम से कम 20 मिनट तक रखें। इसके बाद कुल्ला करें और ब्रश कर लें। कुछ दिनों तक ऐसा करने से आपको खुद ही फर्क दिखाई देने लगेगा।

फ्लोराइड

यह एक तरह का प्राकृतिक खनिज पदार्थ है। यह दांतों में किसी भी प्रकार का रोग नहीं होने देता है। दातों को सुरक्षित रखने के लिए उस पानी का इस्तेमाल करें जिस में फ्लोराइड की मात्रा ज्यादा हो। इसके साथ ही टूथ पेस्ट से रोजाना दो बार ब्रश करें।

हींग

हींग का इस्तेमाल करने से भी दांतों के कीड़े खत्म हो जाते हैं। हींग के पाउडर को पानी में डालकर उबा लें। इसके ठंड़ा होने पर इस पानी से कुल्ला करें। रोजाना ऐसा करने से दांत के कीड़े खत्म हो जाएंगे। इसके साथ ही दांतों में होने वाले दर्द से भी छुटकारा मिलेगा।

प्याज के बीज

दांतों के कीड़े को नष्ट करने के लिए प्याज के बीजों का इस्तेमाल करें। इसके बीजों को चबाने से कीड़े जल्द ही खत्म हो जाते हैं। आप चाहें तो प्याज को बारिक काट कर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। एक कटोरे बारिक कटा प्याज डालकर उसमे इसमें थोड़ा-सा तेल डालकर कम आंच पर गर्म करें। इससे निकलने वाले धुएं को मुंह में लेने से भी कीड़े मर जाते हैं।

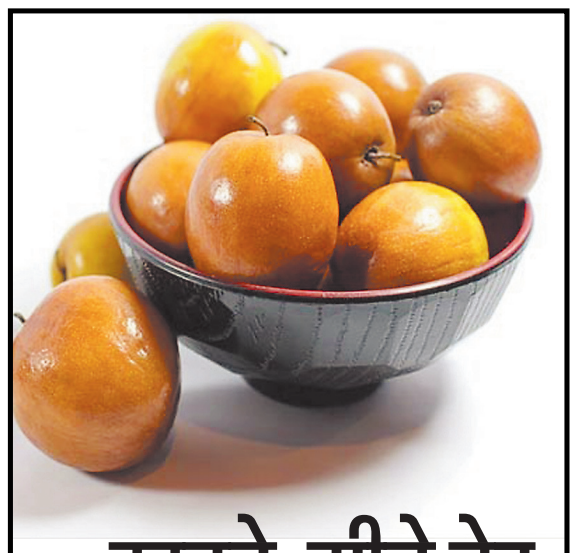

खट्टे-मीठे बेर में समाएं कई गुण

आयुर्वेद के अनुसार बेर दिल की सेहत के लिए बहुत ही लाभकारी है। बेर खाने से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल रहता है, जिससे दिल से जुछी बीमारियां होने की आशंका कम हो जाती है। बरे खाने से बार-बार प्यार लगने की शिकायत भी दूर होती है। खट्टे-मीठे बेर में पोटैशियम, कॉपर, आयरन, फॉस्फोरस और खनिज पदार्थ आदि भी होते हैं। इन सभी तत्वों से इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है और शरीर में रोगों से लडने की क्षमता बढती है। गर्मियों में पौधे सुषुप्तावस्था में प्रवेश कर जाते हैं व उस समय पत्तियां अपने आप ही झड जाती हैं तब पानी की आवश्यकता नहीं के बारबर होती है। इस तरह बेर अधिक तापमान तो सहन कर लेता है लेकिन शीत ऋतु में पडने वाले पाले के प्रति अतित संवेदनशील होता है। क्योंकि इसमें कम पानी व सूखे से लडने की विशेष क्षमता होती है। जिस तरह नींबू और संतरे में विटामिन सी प्रचुर मात्रा पाई जाती हैं उसी तरह बेर में भी। बेर में अन्य फलों के मुकाबले विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट ज्यादा मात्रा में होते हैं। इसके सेवन से त्वचा बढती उम्र तक जवां बनी रहती हैं। इसमें विटामिन सी की मात्रा खट्टे फलों से 20 गुना तक अधिक होती है। बेर की गुठली को घिसकर आंखों में काजल की तरह लगाने से कनीनिका प्रदाह ठीक हो जाता है। आंखों से बहने वाला पानी भी बंद हो जाता है। बेर के पत्तों को पानी में काफी समय तक उबालकर काढा बनाकर छानकर पीने से शरीर की बढती चर्बी कंट्रोल हो जाती है। चेचक में बेर के पत्तों का रस भैंस के दूध के साथ रोगी को देने से रोग का वेग कम होता है। बेर में 6 ग्राम पत्तों के चूर्ण को 2ग्राम गुड के साथ मिलाकर रोगी को खिलाने से भी 2-3 दिन में चेचक खत्म होने लगता है।

हूतियों का दावा- इजरायल में अडानी के पोर्ट पर किया ड्रोन अटैक

तेल अवीव। इजरायल में मौजूद भारतीय कंपनी के बंदरगाह पर यमन के हूती विद्रोहियों ने हमले का दावा किया है। दावा है कि उन्होंने इजरायल के हाइफा बंदरगाह पर ड्रोन के जरिए हमला किया है। इराक के इस्लामिक प्रतिरोध के साथ एक संयुक्त सैन्य अभियान चलाया। इसमें कई ड्रोन ने हाइफा बंदरगाह के करीब एक इजरायली जहाज को निशाना बनाया। इजरायल का हाइफा बंदरगाह भारत के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। इस बंदरगाह का संचालन भारतीय अरबपति गौतम अडानी की कंपनी एक स्थानीय कंपनी के साथ मिलकर करती है। रिपोर्ट के मुताबिक यह इजरायल के सबसे प्रमुख बंदरगाहों में से एक है, जहां से लगभग 99 फीसदी सामान समुद्र के रास्ते आता-जाता है। पिछले साल जनवरी में 4 अरब शेकेल (1.03 अरब डॉलर) में इसे खरीदा गया था। ईरान के समर्थन वाले हूती लड़ाकों के प्रवक्ता याह्या सारी ने बुधवार को टीवी पर एक बयान में हमले के बारे में बताया। इजरायल ने हालांकि हूतियों के हमले से इनकार किया है। इजरायली सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि आर्मी को ऐसी किसी भी घटना की जानकारी नहीं है। हाइफा बंदरगाह पर किसी असामान्य चीज का कोई संकेत नहीं है। इजरायल की ओर से गाजा पर हमले के विरोध में हूतियों ने पिछले साल नवंबर से ही हमला शुरू कर दिया है। उसका कहना है कि यह हमले गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए है। नवंबर में हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में शिपिंग लेन पर ड्रोन और मिसाइल से हमला किया था। दर्जनों हमलों में उन्होंने दो जहाज डुबो दिए, एक जहाज हाईजैक कर लिया।हीं दूसरी ओर अदन की खाड़ी में एक जहाज और इजराइल के दक्षिण में स्थित बंदरगाह शहर ईलात पर बुधवार को तड़के हमले किए गए। अदन की खाड़ी में एक जहाज और इजराइल के दक्षिण में स्थित बंदरगाह शहर ईलात पर बुधवार को तड़के हमले किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि संभवत- ये हमले हूती विद्रोहियों ने किए हैं।

24 घंटे में 35 सैन्य विमान और 7 नौसैनिक जहाज.....ताइवान पर क्या चाहता है चीन

बीजिंग । चीन और ताइवान में फिर तनाव बढ़ता हुआ दिख रहा है। चीनी सेना बार-बार ताइवान की सीमा में घुस रही है। दरअसल, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि 24 घंटे की अवधि के दौरान द्वीप के आसपास 35 चीनी सैन्य विमानों और सात नौसैनिक जहाजों का पता लगाया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 24 घंटे की अवधि के दौरान 35 चीनी सैन्य विमानों और सात नौसैनिक जहाजों का पता लगा। ताइवान के मुताबिक चीन के 19 एयरक्रॉफ्ट उसके डिफेंस आईडेंटिफिकेशन जोन यानी डीआईजेड तक पहुंच गए थे। ताइवान ने इस माह अब तक चीनी सैन्य विमानों को 324 बार ट्रैक किया है। साथ ही नौसेना जहाजों को 190 बार ट्रैक किया है। इसके बाद ताइवान ने चीनी सेना पर नजर रखने के लिए विमान और नौसैनिक जहाज तैनात किए है। ताइवान ने मिसाइल सिस्टम को भी सक्रिय कर दिया। ताइवान चीनी सेना की हर हरकत पर नजर रखे हुए है। हाल के वर्षों में चीन ने ताइवान पर दबाव बढ़ा दिया है और पिछले महीने ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के उद्घाटन के बाद द्वीप के चारों ओर सैन्य अभ्यास किया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, उन अभ्यासों के दौरान, बीजिंग ने इस साल एक दिन में सबसे अधिक 62 सैन्य विमान ताइपे के आसपास भेजे।

पाकिस्तान में लू और गर्मी ने ली लोगों की जान, भरे पड़े हैं मुर्दाघर

कराची। भारत के साथ पाकिस्तान भी भीषण गर्मी की चपेट में है। पाकिस्तान में भी भीषण गर्मी के कारण कई लोगों मौत हो चुकी है। पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर में भीषण गर्मी के कारण पिछले चार दिनों में कम से कम 450 लोगों की मौत हुई है। हालात यह है शवों को रखने के लिए जगह नहीं है। मुर्दाघर भरे पड़े हैं। पाकिस्तान के एनजीओ का दावा है। पाकिस्तान सरकार ने अभी इस बारे में कोई आधिकारिक आंकड़ा पेश नहीं किया है। बताया जा रहा है कि मरने वालों में से 141 लोगों ने 25 जून को जान गंवाई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इमरजेंसी सेवाओं के कर्मचारियों को कराची की सड़कों पर अब तक 30 लोगों के शव मिले हैं। उसका कहना है कि उसे बुधवार को छोड़कर पिछले चार दिनों में कम से कम 427 शव मिले हैं। ज्यादातर शव बेघर लोगों और सड़कों पर नशा करने वालों के हैं। तेज गर्मी की लहर ने उनकी जान ले ली। ये लोग अपना पूरा दिन इलाज की तलाश में खुले में बिताते हैं। पाकिस्तान का बंदरगाह शहर कराची भयंकर गर्मी की चपेट में है। बुधवार को लगातार तीसरे दिन पारा 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। तटीय इलाकों के हिसाब से यह बेहद खतरनाक है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले तीन दिन में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, हवा में ज्यादा नमी की वजह से उमस है। इसकी वजह से 40 डिग्री तापमान भी 49 डिग्री जैसा महसूस हो रहा है। पिछले चार दिन में कराची के सिविल अस्पताल में हीटस्ट्रोक की वजह से 267 लोग भर्ती किए गए हैं।

दमिश्क में देर रात सुनाई दीं विस्फोट की आवाजें

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क के दक्षिणी इलाकों में बुधवार देर रात विस्फोट की आवाजें सुनी गईं। ये इजरायल की ओर से किए गए मिसाइल हमले लग रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों और शाम एफएम रेडियो के मुताबिक हमले दमिश्क के दक्षिणी ग्रामीण इलाके में सैय्यदा ज़ैनब उपनगर के पास एक इलाके में हुए। इस बीच सीरियाई वायु रक्षा मिसाइलों के साथ-साथ दमिश्क के ग्रामीण इलाकों में विस्फोटों की आवाज़ सुनी गई।

बोलीविया का तख्ता पलटने का असफल प्रयास, जनरल गिरफ्तार

ला पाज़। बोलीविया में राष्ट्रपति लुइस आर्से के खिलाफ तख्ता पलटने की असफल साजिश के कुछ घंटों बाद जनरल जुआन जोस जुनिगा को गिरफ्तार कर लिया गय। यह गिरफ्तारी ला पाज़ शहर में उप आंतरिक मंत्री जॉनी एगुइलेरा के नेतृत्व में एक अभियान चलाकर की गई। मीडिया रिपोर्ट में एफजीई के संचार प्रमुख जोस लुइस टारक्विनो के हवासे से बताया कि तख्ता पलटने के असफल कोशिश में शामिल जुनिगा और अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक जांच शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि ला पाज़ शहर में हुई नई घटनाओं को देखते हुए अटॉर्नी जनरल ने जनरल जुआन जोस जुनिगा और घटनाओं में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक जांच के अनुरूप सभी कानूनी कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया है।

डॉक्टर ने की अपने ही परिवार की हत्या की कोशिश, कोर्ट ने नहीं भेजा जेल

वाशिंगटन। अमेरिका में कैलिफोर्निया प्रांत की एक कोर्ट ने भारतीय मूल के डॉक्टर को अपने ही परिवार की हत्या करने के प्रयास में जेल नहीं भेजा है और डॉक्टर की मानसिक बीमारी का इलाज कराने का आदेश दिया है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक 43 वर्षीय डॉ धर्मेश पटेल ने दो जनवरी-2023 को अपनी कार को एक चट्टान से 250 फीट नीचे गिरा दिया था। हालांकि हादसे में वह खुद और कार में सवार उनकी पत्नी और दो बच्चे बच गये थे। पिछले साल सितम्बर में सुनवाई के दौरान उन्होंने हत्या के प्रयास के तीन मामलों में दोषी नहीं होने की दलील दी। अदालत ने आरोपी के स्किज़ोफेक्टिव डिसऑर्डर और अन्य प्रमुख अवसादग्रस्तता लक्षणों से पीड़ित होने संबंधी डॉक्टरों की रिपोर्टों का भी अध्ययन किया गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक कैलिफोर्निया प्रांत की एक कोर्ट में दायर रिकॉर्ड में डॉ पटेल को मानसिक बीमारी से ग्रस्त पाया गया, जिसके तहत अपराध के लिए आरोपित व्यक्ति का इलाज कराने की इजाजत दी जाती है। प्रावधान के तहत अभियुक्त के मानसिक बीमारी के इलाज के दौरान अभियोजन स्थगित कर दिया जाता है, और उसे पूरी तरह से खारिज किया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डॉ धर्मेश पटेल कुछ और सप्ताह जेल में रहेंगे और फिर उसे कैलिफोर्निया के बेलमोंट में उनके माता-पिता के घर छोड़ दिया जाएगा, जहां उन पर निगरानी रखी जायेगी। इस दौरान डॉ धर्मेश पटेल को शहर छोड़ने की इजाजत नहीं है और अपना ड्राइविंग लाइसेंस और पासपोर्ट जमा करने के साथ ही सप्ताह में एक बार कोर्ट में पेश होना होगा।

रोम में फेमीसाइड को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान लाल रंग लगाये हुए प्रदर्शनकारी।

पन्नू मामले में भारत की जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने कहा है कि वह सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित नाकाम साजिश में एक भारतीय अधिकारी के शामिल होने के आरोपों की भारत की जांच के नतीजों का इंतजार कर रहा है। पिछले साल नवंबर में, अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ काम करने का आरोप लगाया था। आतंकवाद के आरोपों में भारत में वांछित पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है। इन आरोपों के बाद भारत ने हत्या की कथित साजिश पर अमेरिका द्वारा उपलब्ध कराई सूचनाओं की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। मिलर ने कहा, ''हम उन सदस्यों को निजी रूप से जवाब देने वाले हैं, जैसा कि हम हमेशा करते हैं। मैं उसके बारे में यहां नहीं बोलूंगा। अमेरिका के उप विदेश मंत्री कर्ट कैम्पबेल ने कहा था कि उनके देश ने पन्नू की हत्या की कथित नाकाम साजिश की भारत द्वारा जांच से संबंधित अद्यतन जानकारी मुहैया करने पर लगातार जोर देकर स्पष्ट किया है कि वाशिंगटन मामले में जवाबदेही चाहता है। कैम्पबेल ने पिछले हफ्ते अपनी और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलीवन की भारत यात्रा पर प्रेस वार्ता में ये टिप्पणियां कीं।

टू फ्रंट वॉर की स्थिति में भारत के लिए फिर से सीधा उतरने को तैयार रूस, बनाया क्या प्लान

नई दिल्ली(एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भले ही चीन का दौरा किया हो। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने भले ही शी जिनपिंग के साथ बैठकर कई डील की हो। लेकिन वो उतनी बड़ी नहीं होंगी, जितनी बड़ी पुतिन ने भारत के साथ करने का मन बनाया है। रूस और भारत के बीच एक ऐसी रक्षा डील होने वाली है, जिससे चीन भी खौफ खा रहा है। एक ऐसी रक्षा डील जो भारत को मजबूती देगा और रूस भारत के संबंधों को आधार भी प्रदान करेगा। खबर आ रही है कि कई सालों के इंतजार के बाद भारत रूस आपसी रसद समझौता फाइनल होने की कगार पर है। रूस ने पिछले सप्ताह ही इस डील को मंजूरी दे दी है।

ये समझौता अभ्यास, प्रशिक्षण, बंदरगाह, मानवीय सहायता, आपदा राहत प्रयासों के लिए सैन्य से सैन्य आदान-प्रदान को सरल बनाएगा। यानी ये आर्मी टू आर्मी होगा। इंडियन आर्मी और रशियन आर्मी मिलकर बड़े पैमाने पर ऐसे अभियानों में साथ मिलकर भाग लेंगे, जो दोनों देशों के मदद के काम आ सके। ये ऐसे समझौतों की पूरी श्रृंखला है जिसपर भारत ने 2016 में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ शुरुआत करते हुए कई देशों के साथ हस्ताक्षर किए थे। रूस ने भी इसके साथ आगे आकर भारत को अपना समर्थन दे दिया है। रूस ने भारत के साथ हस्ताक्षर किए जाने वाले रसद समझौते के मसौदे को अब मंजूरी दे दी है।

ये समझौता कई सालों से भारत और रूस के बीच अटका पड़ा था। इसमें अभ्यास, प्रशिक्षण, बंदरगाह आपदा राहत के लिए सैन्य आदान प्रदान को शामिल करना है। यानी जब कभी दोनों देशों को एक दूसरे की जरूरत होगी तब आर्मी टू आर्मी यानी सेना से सेना तक काम किया जाएगा। इसमें वॉर एक्सरसाइज, ट्रेनिंग और इसके साथ ही बंदरगाहों को मजबूत करने के लिए आपदा राहत के लिए सैन्य शक्ति प्रदान करना शामिल होगा। इसमें कई सुविधाएं दी जाएंगी। जिससे दोनों देशों की सेनाओं को मजबूती मिलेगी। अब इसे प्रभावी करने से पहले दोनों देशों के बीच हस्ताक्षर होंगे।

सुनीता विलियम्स और बुश विल्मोर 6 जुलाई को लौटेंगे धरती पर

-बोइंग स्टारलाइनर में खराबी आने से अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे हैं

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय मूल की नासा अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुश विल्मोर अभी भी अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे हुए हैं। कुछ हफ्ते पहले ही वह स्टेशन पहुंचे थे। उनके लौटने की दो बार तारीख टल चुकी है लेकिन, अब खुशखबरी है कि नासा ने उनकी वापसी की तारीख का ऐलान कर दिया है। दरअसल, बोइंग स्टारलाइनर में तकनीकी दिक्कत आने से विमान अंतरिक्ष में ही फंस गया है।

सुनीता और बुश को लेकर बोइंग का स्टारलाइनर कैप्सूल ने पांच जून को धरती से उड़ान भरी थी और छह जून को सफलतापूर्वक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर उतरा था। तकनीकी दिक्कत आने से विमान अभी भी स्टेशन में ही फंसा है। उसमें आई खराबी के कारण अंतरिक्ष यात्रियों की धरती पर वापस आने की योजना अधर में लटकी है। नासा ने सीआईडी रिटर्न को तीन बार रीशेड्यूल किया है।

सुनीता विलियम्स और उनके साथी की स्पेस सेंटर से वापसी अब तय हो गई है। नासा के क्रू मैनेजर स्टीव स्टिच का कहना है कि स्टारलाइनर को 45 दिनों तक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में डॉक किया जा सकता है। नासा के आंतरिक सूत्रों का कहना है कि सुनीता और बुश की धरती पर लौटने की तारीख छह जुलाई तय की गई है।

नासा के टैक्नीकल स्टॉफ का कहना है कि विमान के थ्रस्टर्स ज्यादा गर्म हो गए और हीलियम का भार वहन हुआ। मिशन प्रबंधन टीम डेटा की जांच कर रही है। छह जून को स्टारलाइनर के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में लैंडिंग के बाद यात्रियों को पता लगा कि पांच हीलियम लीक हो गए हैं और पांच थ्रस्टर्स ने काम करना बंद कर दिया है। एक वाल्व पूरी तरह से बंद नहीं हुआ है। इसी कारण अंतरिक्ष में चालक दल को मरम्मत में ज्यादा समय लग रहा है।

पाकिस्तान में हुए आम चुनाव की होगी जांच,अमेरिका ने प्रस्ताव पारित किया

वाशिंगटन। पाकिस्तान में हाल ही में हुए आम चुनाव में गड़बड़ी होने की बातें सामने आई थी। मुख्य विपक्षी दल पीटीआई के संस्थापक और पूर्व पीएम इमरान खान ने भी आरोप लगाए थे कि पाकिस्तान के चुनावों में घपला हुआ है और मतगणना के दौरान गड़बड़ी कर नवाज शरीफ की पार्टी को जिताया गया है। इस बीच अब इमरान को अमेरिका का भी साथ मिलते दिख रहा है। प्रस्ताव में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से लोकतंत्र, मानवाधिकार और कानून के शासन को बनाए रखने में पाकिस्तान के साथ सहयोग करने का आग्रह किया गया। जॉर्जिया के कांग्रेसी मैककॉर्मिक और मिशिगन के कांग्रेसी किल्डी द्वारा पाकिस्तान में लोकतंत्र और मानवाधिकारों के लिए समर्थन व्यक्त करना शीर्षक वाले प्रस्ताव, एचआर 901 को पेश किया गया और 100 से अधिक सहयोगियों द्वारा सह-प्रायोजित किया गया। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने बुधवार को पाकिस्तान में लोकतंत्र और मानवाधिकारों के समर्थन में एक द्विदलीय प्रस्ताव पारित किया और पाकिस्तान के 2024 के चुनावों में हस्तक्षेप के दावों की गहन और स्वतंत्र जांच का आह्वान किया। सदन के 85 प्रतिशत सदस्यों ने इसमें भाग लिया और इसके पक्ष में मतदान किया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि यह प्रस्ताव लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने और पाकिस्तान के लोगों के अधिकारों का सम्मान करने के महत्व को रेखांकित करता है, क्योंकि वे आर्थिक अस्थिरता और सुरक्षा खतरों का सामना कर रहे हैं। इस प्रस्ताव का लगभग सर्वसम्मति से पारित होना पाकिस्तान सरकार को एक स्पष्ट संदेश देता है कि अमेरिका पाकिस्तान के लोगों के साथ लोकतंत्र, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के सम्मान की तलाश में खड़ा है।

अब एआई आपका मूड नहीं होने देगी खराब

-जापान ने इजाद की ये नई एआई तकनीक

टोक्यो (एजेंसी)। कई बार हमारी गलती न भी हों, तो सामने वाले का मूड खराब होने की वजह से वो हम पर चीखने-चिल्लाने लगता है। ऐसे हालात से निपटने के लिए जापान की एक कंपनी ने दिलचस्प समाधान निकाल लिया है। जापानी कंपनी ने एक ऐसी तकनीक इजाद की है जिसमें सामने वाला कितने भी गुस्से में हो, ये तकनीक उसकी तीखी आवाज़ को आपके कानों तक पहुंचते-पहुंचते मीठी और मधुर बना देगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक जापान की एक कंपनी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके ऐसा सॉफ्टवेयर बनाया है कि वो आपका मूड खराब नहीं होने देगा। कोई कितना भी चीखे-चिल्लाए, आपको उसकी आवाज़ मीठी और प्यारभरी ही लगेगी। ये खासतौर पर कॉल सेंटर ऑपरेटर्स के लिए बनाया गया है, जो फोन पर आने वाली गुस्से भरी आवाज़ को प्यार भरी बना देगा। जापान की कंपनी ने इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का स्मार्ट यूज़ किया है। ये एक ऐसा फिल्टर होगा, जो चीखने और गुस्से में जिल्लाने की आवाज़ को डिटेक्ट कर लेगा और इसे शांत और मधुर आवाज़ में बदल देगा। इसे बनाने वाली साफट बैंक कंपनी के डेवलपर्स में से एक तोशियुकी नाकातानी ने बताया - 'हमने एक इमोशन सरप्रेशन सिस्टम विकसित किया है, जो कर्मचारियों को परेशान करने वाली ग्राहकों की गुस्से भरी आवाज़ से बचाएगा।' ये वॉइस फिल्टर दो स्तर पर काम करेगा। पहले कि वो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सहायता से गुस्से भरी आवाज़ को पहचान लेगा और उसके की प्वाइंट्स को जान लेगा। दूसरे स्टेज पर वो अकाउस्टिक टूल के ज़रिये इसे नेचुरल और विनम्रता भरी आवाज़ में ट्रांसलेट कर देगा।

भारत में धर्मांतरण विरोधी कानूनों, नफरत फैलाने वाले भाषणों में वृद्धि चिंताजनक : एंटनी ब्लिंकन

वाशिंगटन। (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि भारत में धर्मांतरण विरोधी कानूनों, नफरत फैलाने वाले भाषणों और धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के घरों व प्रार्थना स्थलों को ध्वस्त करने के मामलों में ''चिंताजनक वृद्धि'' हुई है। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर विदेश विभाग की वार्षिक रिपोर्ट जारी करने के मौके पर ब्लिंकन ने बुधवार को कहा कि दुनियाभर में लोग धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए काफी जद्दोजहद कर रहे हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों ने 2023 में भारत के अपने समकक्षों के साथ धार्मिक स्वतंत्रता के मुद्दों के बारे में लगातार चिंताएं व्यक्त कीं।

विदेश मंत्री ने कहा, ''भारत में हमने धर्मांतरण रोधी कानूनों, नफरत फैलाने वाले भाषण, धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों के मकानों व प्रार्थना स्थलों को ध्वस्त करने के मामलों में चिंताजनक वृद्धि

देखी है। इसके साथ ही दुनियाभर के लोग धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए काफी जद्दोजहद कर रहे हैं।'' भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर 2023 की रिपोर्ट में कहा गया है कि 28 में से 10 राज्यों में सभी धर्मों के धर्मांतरण पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून हैं। इनमें से कुछ राज्य विवाह के उद्देश्य से जबरन धर्मांतरण के खिलाफ दंड भी लगाते हैं।

भारत ने पहले भी मानवाधिकारों पर अमेरिकी विदेश विभाग की वार्षिक रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा है कि यह ''गलत सूचना और त्रुटिपूर्ण समझ'' पर आधारित है। विदेश मंत्रालय ने पिछले साल कहा था, ''कुछ अमेरिकी अधिकारियों की पक्षपातपूर्ण टिप्पणी इन रिपोर्टों की विश्वसनीयता को और कम करने का काम करती है।'' इस वर्ष की रिपोर्ट में अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि ईसाइयों और मुस्लिमों को जबरन धर्मांतरण पर प्रतिबंध लगाने वाले कानूनों के तहत गिरफ्तार किया गया। धार्मिक समूहों का कहना है कि कुछ मामलों में धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों को झूठे तथा मनगढ़ंत आरोपों में प्रताड़ित किया गया तथा जेल में डाला गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय स्तर पर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के आह्वान पर विदेश विभाग ने कहा कि मुस्लिम, सिख, ईसाई और आदिवासी नेताओं तथा कुछ राज्य सरकारों के अधिकारियों ने इस आधार पर इसका विरोध किया है कि यह देश को ''हिंदू राष्ट्र'' में बदलने की योजना का हिस्सा है।

एलन मस्क बने 12वें बच्चे के पिता, ज्यादा बच्चे पैदा करने के हैं हिमायती

-टेस्ला के मालिक बोले-धरती पर अभी भी कम लोग हैं यह बहुत बड़ी समस्या

सैंटफ्रांसिस्को (एजेंसी)। एलन मस्क के 12वीं बार पिता बनने पर आप भले ही हैरत करें लेकिन एलन मस्क बच्चे पैदा करने को लेकर हमेशा गंभीर रहे हैं। वह ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करना चाहते हैं और हाल ही में एक और स्वस्थ बालक उनके घर आया है। एलन मस्क अपने 12वें बच्चे का स्वागत करते कहा कि न्यूरालिंक की एंग्लॉयी शिवोन जिलिस के साथ पैदा हुआ नया बच्चा कोई 'सीक्रेट' नहीं था।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और उनकी पत्नी जिलिस की यह तीसरी संतान है। इससे पहले जिलिस ने जुड़वा बच्चे को जन्म दिया था। जिलिस न्यूरालिंक में ऑपरेशंस और स्पेशल प्रोजेक्ट्स की डायरेक्टर हैं। एलन मस्क की पहली पत्नी जस्टिन से पांच बच्चे हैं और कनाडा मूल की एक संगीतकार ग्राइम्स से उन्हें तीन बच्चे हैं। मस्क ज्यादा बच्चे पैदा करने के हिमायती हैं।

एलन मस्क के मुताबिक धरती पर अभी भी कम लोग हैं और यह बहुत बड़ी समस्या है। मस्क ने वॉल स्ट्रीट जर्नल के एक कार्यक्रम में अपने टेस्ला बॉट जोकि एक तरह का एंड्रॉइड है के बारे में बात करते हुए कहा कि केवल एक बॉट सेना ही बिना आराम, भोजन या शिकायत के काम करने के इच्छुक मजदूरों की कॉर्पोरेट जरुरत को पूरा कर सकती है लेकिन जब तक बॉट चालू नहीं होते, तब तक मस्क के स्क्विड गेम को अभी भी मांस और खून वाले श्रमिकों की जरूरत है।

मस्क ने कहा, मैं इस पर और कितना जोर दूं कि धरती पर पर्याप्त लोग नहीं हैं। सभ्यता के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक कम जन्म दर है। मस्क कहते हैं कि ऐसे लोग जिनका आईक्यू अच्छा है, और बुद्धिमान हैं, उन्हें ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने चाहिए। जलवायु परिवर्तन और असमानता जैसे मसलों पर बात करते हुए उन्होंने कहा था कि बड़ी संख्या में लोग बच्चे पैदा न करने का फैसला ले रहे हैं। मस्क ने कहा कि बहुत से अच्छे, स्मार्ट लोग सोचते हैं कि दुनिया में बहुत सारे लोग हैं और जनसंख्या नियंत्रण से बाहर हो रही है। ऐसा नहीं है आज भी दुनिया में लोग कम ही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ममता ने अपने ही मंत्रियों और अधिकारियों को लताड़ा कहा-

काम न करने वाले अपना पद छोड़ दें

नई दिल्ली। (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वैसे तो आए दिन भाजपा पर हमलावर रहतीं हैं लेकिन हाल ही में उन्होंने अपने ही मंत्रियों और अफसरों को तीखे तेवर दिखा दिए। ममता की नाराजगी प्रदेश के कार्यों में हीला हवाली को लेकर थी। सीएम बनर्जी ने अपने ही मंत्रियों और अफसरों की जमकर क्लास लगा दी। उन्होंने मंत्रियों, टीएमसी नेताओं से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों को भरी बैठक में खूब सुनाया। पश्चिम बंगाल में करीब-करीब हर जगह नागरिक सुविधाओं की कमी को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंत्रियों, विधायकों और नौकरशाहों से सवाल किया कि क्या उन्हें (ममता बनर्जी) अब राज्य की सड़कों पर झाड़ू लगाने के लिए उतरना होगा?

ममता बनर्जी ने सभी को 10 दिन का अल्टीमेटम दिया है। ममता ने साफ तौर पर कह दिया कि या तो वे अपने काम में सुधार करें या फिर काम से हट जाएं। ममता के निशाने पर मंत्रियों से लेकर नौकरशाहों, नगर पालिकाओं से लेकर राज्य शहरी विकास विभाग, पुलिस से लेकर जिला प्रमुखों तक, सभी थे। ममता बनर्जी का यह रूप तब दिखा, जब वह सोमवार को इन सभी का रिपोर्ट कार्ड देख रही थीं। ममता बनर्जी ने नगर निकाय प्रमुखों, मंत्रियों, विधायकों और सीनियर अफसरों को कहा कि 'आज बोलने की बारी मेरी और आपकी केवल सुनने की।

दरअसल, ममता बनर्जी मुख्य रूप से राज्य में विभिन्न नगर निकायों के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए राज्य सचिवालय में एक बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। इसी दौरान नेताओं, मंत्रियों और अफसरों के कामकाज से नाराज ममता बनर्जी ने एक मंत्री, टीएमसी के एक पूर्व महापौर और कुछ नौकरशाहों को उनके 'औसत से कमतर प्रदर्शन' के लिए फटकार लगाई। उन्होंने कहा, 'क्या मुझे अब सड़कों पर झाड़ू लगाने के लिए बाहर जाना होगा? आप हमेशा आसमान की ओर देखते हुए नहीं चल सकते; आपको नीचे भी देखना होगा।

कोई भी सड़कों और स्ट्रीट लाइट की स्थिति नहीं देखता। वे सिर्फ टैक्स बढ़ा रहे हैं और लोगों की तैनाती कर रहे हैं और पुलिस और (नागरिक) प्रशासन, दोनों ही कुछ नहीं कर रहे हैं।' ममता बनर्जी ने कहा, 'आपको अच्छी जिंदगी जीने के लिए कितने पैसे चाहिए। आप बड़ी कार में चलते हैं, अच्छे रेस्टोरेंट में खाते हैं, मगर सबसे पहले आप लोगों के बारे में सोचिए। सरकार कुछ व्यक्तियों के कृत्यों के लिए बदनामी नहीं लेगी। मुझे जबरन वसूली करने वाले अफसर नहीं चाहिए। मुझे लोगों के सेवक चाहिए। अगर वे काम नहीं कर सकते, तो उन्हें हट जाना चाहिए। आने वाले दिनों में केवल लोगों के लिए काम करने वालों को ही टिकट (चुनाव लड़ने के लिए) मिलेगा।'

लोकसभा स्पीकर चुनाव : इंडिया गठबंधन मत विभाजन की मांग कर सकता था लेकिन ऐसा नहीं किया

नई दिल्ली। (एजेंसी)

18वीं लोकसभा में स्पीकर के चुनाव के लिए विपक्ष ने एनडीए उम्मीदवार ओम बिरला के खिलाफ़ अपना उम्मीदवार तो उतारा लेकिन मत विभाजन की मांग नहीं की। बुधवार को ओम बिरला को ध्वनिमत से स्पीकर चुन लिया गया। अब ऐसे में सवाल उठ रहा है कि मत विभाजन की मांग ही विपक्ष को नहीं करनी थी तो उम्मीदवार क्यों उतारा? भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में सिर्फ़ तीन बार ही ऐसा हुआ है, जब स्पीकर के पद के लिए चुनाव हुआ हो, वरना इस पद पर हमेशा ही पक्ष और विपक्ष के बीच सहमति बन जाती थी। इससे पहेल 1952, 1967 और 1976 में स्पीकर के पद के लिए चुनाव हुए थे। सवाल उठा रहा है कि क्या लोकसभा स्पीकर के चुनाव में उम्मीदवार खड़ा करना विपक्ष की रणनीति का हिस्सा था? ऐसा कर विपक्ष ने सरकार को क्या संदेश देने की कोशिश की है? इस चुनाव में इंडिया ब्लॉक ने कांग्रेस से अपने अनुभवी सांसद के सुरेश को स्पीकर पद के लिए आगे किया था जब एनडीए की सहयोगी पार्टी जेडीयू के नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने स्पीकर के चुनाव में वोटिंग की बात पूछी तो संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि विपक्ष ने इसकी मांग नहीं की।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि इंडिया ब्लॉक की पार्टियों ने अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करते हुए लोकसभा अध्यक्ष के रूप में के सुरेश के समर्थन में प्रस्ताव पेश किया था। उन्होंने लिखा कि स्पीकर का चुनाव मत विभाजन से नहीं ध्वनिमत से हुआ है। इसके बाद भी इंडिया ब्लॉक की पार्टियां मत विभाजन की मांग कर सकती थीं लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। जयराम ने लिखा कि ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि इंडिया ब्लॉक की पार्टियां सर्वसम्मति और सहयोग की उस भावना को मज़बूत करना चाहती थीं, जो पीएम और एनडीए ब्लॉक की पार्टियों के कामों में दिखाई नहीं देती है। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि हमारा विरोध सांकेतिक था, लोकतांत्रिक था क्योंकि परंपरा तोड़कर डिप्टी स्पीकर नहीं दे रहे थे। इसलिए हमने बता दिया कि संविधान नहीं बदलने देंगे। जनता के हितों के खिलाफ़ नहीं जाने देंगे। परंपराओं के खिलाफ़ नहीं जाने देंगे। अपनी पूरी शक्ति से विरोध करेंगे।

विकास प्रक्रिया में महिलाओं को भागीदारी सुनिश्चित कर रही मेरी सरकार : राष्ट्रपति

नई दिल्ली । (एजेंसी)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि केंद्र सरकार सामाजिक विकास की योजनाओं को एकीकृत कर रही है। इतना ही नहीं विकास प्रक्रिया में विशेषकर महिलाओं को भागीदार बनाने पर जोर दे रही है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने संयुक्त सत्र को संबोधित कर कहा कि मेरी सरकार गरीबोन्मुखी काम कर रही है और उसके सामाजिक, आर्थिक विकास के साथ ही उनकी जीवन शैली में बदलाव लाने का काम कर रही है। गरीबों को निशुल्क राशन देने और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवा रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि मेरी सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ा रही है और ऊर्जा संरक्षण के लिए हरित ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। मोदी सरकार आधुनिक मानदंड को बढ़ा रही है, ताकि भारत विकसित देशों के साथ प्रतिस्पर्धी बन सके। ढांचागत विकास के लिए सड़कों का निर्माण तेजी से हो रहा है। मोदी सरकार पूर्वोत्तर के राज्यों में विकास कार्यो को तेजी से आगे बढ़ाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि ड्रोन को बढ़ावा दिया जा रहा है और ड्रोन पायलट के क्षेत्र में महिलाओं को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया है। महिलाएं विकास में बराबर की भागीदार बने और वे प्रक्रिया में हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाएं इसके लिए महिलाओं को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि

मेरी सरकार का यह मकसद हैं कि विकास की प्रक्रिया से कोई छूटे नहीं इस बात पर ध्यान दिया जा रहा है। इसका परिणाम है कि अब तक 25 करोड़ लोगों को सरकार गरीबी से बाहर निकाल चुकी है।

दुनिया के देशों में प्रतिवर्ष 30 लाख लोगों की मौत शराब के कारण

नई दिल्ली। (एजेंसी)

विश्व स्वास्थ्य संगठन डब्ल्यूएचओ द्वारा जो रिपोर्ट जारी की गई है। उसमें बताया गया है कि 31त्न भारतीय शराब का सेवन करते हैं। भारत में युवाओं की बड़ी संख्या शराब पीने लगी है। 15 से 19 वर्ष आयु के 13.9 फीसदी लड़के और 11.4 फ़ीसदी लड़कियां शराब पीने लगी हैं। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2030 तक भारत में प्रति व्यक्ति शराब की खपत 6.7 लीटर होने का अनुमान है। यूरोपीय देशों में अभी 9.2 लीटर शराब की खपत है। अमेरिका में 7.5 लीटर शराब पी जाती है। दुनिया के सभी देशों में शराब की खपत कम करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। दुनिया के देशों में सबसे ज्यादा शराब जर्मनी में 12.79 लीटर, स्विटरलेंड में 10.40 लीटर, अमेरिका में 9.5 लीटर, भारत में 4.90 लीटर शराब प्रति व्यक्ति खपत है।

हर साल 30 लाख मौत

शराब के कारण दुनिया के सभी देशों में लगभग 30 लाख लोगों की मौत होती है। हर साल होने वाली मौत में 20 मौत में से एक मौत शराब के कारण होती है। मादक पदार्थों के सेवन करने से चार लाख लोगों की मृत्यु होती है। भारत में प्रति 100000 की आबादी पर शराब के कारण मृत्यु दर 38.5 फ़ीसदी है। जबकि चीन में 16.1 फ़ीसदी है। चीन की तुलना में भारत में शराब के कारण मरने वाले लोगों की संख्या ज्यादा है।

शराब के कारण बीमारियां एवं हादसे

रिपोर्ट के अनुसार शराब पीने वालों के कारण हादसे बढ़ रहे हैं. दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या में लोग मारे जा रहे हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य संबंधी शिकायतें भी बढ़ रही हैं। शराब पीने के कारण लोग संक्रमित बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। हार्ट की बीमारियों का सबसे बड़ा खतरा है।

शराब के कारण पाचन तंत्र, दुर्घटनाएं, हॉर्ट संबंधी बीमारी,कैंसर ट्यूमर, संक्रामक रोग तथा हिंसा के मामले बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। इसको लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चिंता जताई है।

लोकसभा स्पीकर आपातकाल का जिक्र टाल सकते थे यह स्पष्ट रूप से राजनीतिक है

- राहुल गांधी व गठबंधन के नेताओं ने की ओम बिरला से मुलाकात

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की और उनके द्वारा आपातकाल का उल्लेख किये जाने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। राहुल गांधी ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से राजनीतिक है और इसे टाला जा सकता था। कांग्रेस के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने संसद में बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि यह एक शिष्टाचार भेंट थी। राहुल गांधी ने सदन में स्पीकर द्वारा आपातकाल लागू किये जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि यह एक शिष्टाचार भेंट थी। अध्यक्ष ओम बिरला ने राहुल गांधी को विपक्ष का नेता घोषित किया और इसके बाद उन्होंने अन्य गठबंधन सहयोगी नेताओं के साथ स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की। क्या राहुल गांधी ने सदन में उठाए जा रहे आपातकाल के मुद्दे पर चर्चा के सवाल पर वेणुगोपाल ने कहा कि हमने संसद के कामकाज के बारे में चर्चा की है। बेशक, यह मुद्दा भी उठा। कांग्रेस नेता ने कहा कि विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी ने इस मुद्दे के बारे में अध्यक्ष बिरला को जानकारी दी और कहा कि इसे अध्यक्ष के संदर्भ से टाला जा सकता था। यह स्पष्ट रूप से एक राजनीतिक संदर्भ है। लोकसभा स्पीकर बनने के तुरंत बाद बिरला ने बुधवार को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा संविधान पर हमला बताते हुए आपातकाल लगाने की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़कर खलबली मचा दी थी, जिसके बाद सदन में कांग्रेस सदस्यों ने इसका कड़ा विरोध किया था। स्पीकर बिरला ने कहा कि 26 जून 1975 को देश को आपातकाल की क्रूर वास्तविकताओं का एहसास हुआ, जब कांग्रेस सरकार ने विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया था, मीडिया पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे और न्यायपालिका की स्वायत्तता पर भी अंकुश लगा दिया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता का पदभार संभालने के बाद यह राहुल गांधी की लोकसभा अध्यक्ष से पहली मुलाकात थी। उनके साथ सपा के धर्मेंद्र यादव, द्रमुक की कनिमोझी, शिवसेना (सपा) की सुप्रिया सुले और टीएमसी के कल्याण बनर्जी के अलावा कुछ अन्य नेता भी मौजूद थे।

नेपाल में लैंडस्लाइड और बिजली गिरने से 14 की मौत, कई घायल

अब तक पिछले 17 दिनों में 28 लोगों की मौत हो चुकी है

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारत के पड़ोसी मुल्क नेपाल में इस समय बारिश ने तबाही मच रखी है। नेपाल के कई इलाकों में भारी बारिश, लैंडस्लाइड और बिजली गिरने से करीब 14 लोगों की मौत हो गई है। आठ लोग लैंडस्लाइड में मारे गए हैं, जबकि पांच की मौत बिजली गिरने से हुई है। वहीं, एक की बाढ़ के कारण मौत हो गई है। अलग-अलग घटनाओं में दर्जनों लोग घायल भी हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि अब तक कुल 44 घटनाएं दर्ज की गई हैं1 लैंडस्लाइड की घटना में दो लोग अभी भी लापता हैं, जबकि 10 लोग घायल

हैं। रिपोर्ट में नेपाल के गृह मंत्रालय के रिकॉर्ड के मुताबिक कहा गया है कि मानसून के सक्रिय होने के बाद से अब तक पिछले 17 दिनों में 28 लोगों की मौत हो चुकी है। मानसून से 33 जिले प्रभावित हुए हैं। इन 17 दिनों में 147 घटनाएं सामने आई हैं। पिछले दिनों में बिजली गिरने की घटनाओं में करीब 13 लोगों की मौत हुई है जबकि लैंडस्लाइड से 14 लोगों जान गवां चुके है। बता दें कि इस साल नेपाल में मानसून समय पर पहुंचा है और देश में भारी बारिश के कारण मौतों का सिलसिला जारी है। हर साल नेपाल में बाढ़ से हजारों लोग प्रभावित होते हैं, जबकि लैंडस्लाइड और संपत्ति की तबाही के कारण सैकड़ों लोग विस्थापित भी हो जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

हेमंत सोरेन की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी, 14 दिन बढ़ाई न्यायिक हिरासत

-जमीन घोटाले से जुड़े मामले में जेल में बंद हैं झारखंड के पूर्व सीएम

रांची।

जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की न्यायिक हिरासत रांची स्थित पीएमएलए की विशेष कोर्ट ने 14 दिन बढ़ा दी है। अब 11 जुलाई तक हेमंत रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में रहेंगे। गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में उनकी उनकी पेशी हुई और इसके बाद न्यायिक हिरासत बढ़ा दी गई। जमीन घोटाले मामले में जेल में बंद राजस्व उपनिरीक्षक भानु प्रताप और फर्जी दस्तावेज तैयार करने के मास्टरमाइंड मो. सद्दाम, झामुमो नेता अंतु तिर्की, रजिस्ट्रार ऑफ एश्योरेंस के कर्मचारी तापस घोष, संजीत कुमार एवं अन्य आरोपियों की भी गुरुवार को अदालत में ऑनलाइन पेशी हुई और उनकी हिरासत भी 14 दिन बढ़ा दी गई। बता दें कि रांची के बड़गाईं अंचल में साढ़े आठ एकड़ जमीन अवैध तरीके से खरीदने के मामले में ईडी ने हेमंत सोरेन को बीते 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। इसके बाद से वह जेल में बंद हैं। इस मामले में अब तक कुल 23 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हेमंत ने इस मामले में झारखंड हाईकोर्ट में जमानत की याचिका दायर की थी, जिस पर 13 जून को सुनवाई पूरी करने के बाद जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

नंबी नारायणन मामले में सीबीआई ने पांच व्यक्तियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया

नई दिल्ली ।

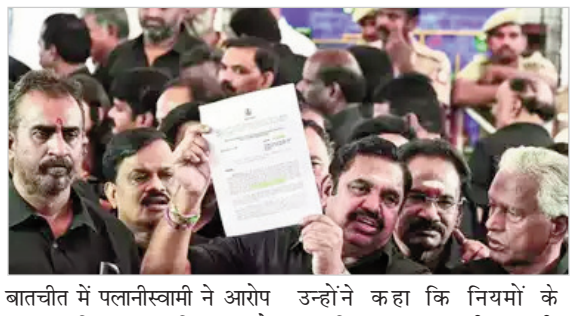

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 1994 के इसरो जासूसी मामले में अंतरिक्ष वैज्ञानिक नंबी नारायणन को कथित तौर पर फंसाने के सिलसिले में एक अदालत में पांच व्यक्तियों के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक अभी यह पता नहीं चल सका है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद 2021 में दर्ज मामले में किसके खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल, 2021 को आदेश दिया था कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिक नारायणन से जुड़े 1994 के जासूसी मामले में दोषी पुलिस अधिकारियों की भूमिका पर एक उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को दी जाए। केरल पुलिस ने अक्टूबर 1994 में दो मामले दर्ज किए थे, जब मालदीव की नागरिक रशीदा को तिरुवनंतपुरम में गिरफ्तार किया गया था। उस पर आरोप था कि रशीदा ने पाकिस्तान को बेचने के लिए इसरो के रॉकेट इंजन के गोपनीय चित्र प्राप्त किए थे। इस मामले में इसरो में क्रायोजेनिक परियोजना के तत्कालीन निदेशक नारायणन को तत्कालीन इसरो उपनिदेशक डी शशिकुमारन के साथ गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा रशीदा की दोस्त फौजिया हसन को गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई जांच में यह आरोप झूठे पाए गए थे।

केजरीवाल जैसे लोगों को संविधान कभी संरक्षित नहीं करेगा: विजय सिन्हा

पटना। (एजेंसी)

बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का सबसे दुखद और काला अध्याय कोई लिख रहे है तो वह हैं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल। सिन्हा ने कहा कि जिसकी भी इस तरह गिरफ्तारी हुई है उसने नैतिकता के आधार पर अपने पद से इस्तीफा दिया है। ये पहले इंसान हैं जो पढ़े-लिखे आईआरएस हैं, ये संविधान के खामियों से अपने को सुरक्षित करने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन संविधान ऐसे लोगों को कभी संरक्षित नहीं करेगा। ऐसे लोग अपने कर्म का फल जरुर भोगेंगे। बता दें कि दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया था । वहीं, बुधवार को सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया है। यह पहला ऐसा मामला है जब कोई सीएम पद पर रहते हुए गिरफ्तार हुआ है। वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) ने साफ कहा है कि अरविंद केजरीवाल जेल से ही सरकार चलाएंगे।

तमिलनाडु विधानसभा में अवैध शराब को लेकर एआईएडीएमके का हंगामा

- स्पीकर ने नेता प्रतिपक्ष पलानीस्वामी समेत विधायकों को किया निलंबित

चेन्नई। (एजेंसी)

तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ईके पलानीस्वामी समेत एआईएडीएमके के विधायकों को सदन की कार्यवाही में रुकावट डालने की वजह से मौजूदा सत्र से निलंबित कर दिया है। निलंबित हुए विपक्षी दल के सदस्य काली टी-शर्ट पहनकर आज सदन पहुंचे और उन्होंने कल्लाकुरिची जहरीली शराब त्रासदी मामले को फिर से उठाने का प्रयास किया और इस मुद्दे पर बातचीत के लिए कार्य स्थगन की मांग की, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष एम अप्पावु ने कहा कि वह इस मामले पर फैसला लेंगे। अन्नाद्रमुक के विधायक ज्वलंत मुद्दे पर जल्द से जल्द बातचीत कराने को लेकर संदन में खड़े होकर प्रदर्शन करने लगे। अध्यक्ष ने हंगामा कर रहे सदस्यों को अपनी सीट पर बैठने का कई बार अनुरोध किया। इसके बाद भी सदस्य हंगामा करते रहे। इसके बाद अध्यक्ष ने उन्हें सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया। इसके बाद सदन ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर अन्नाद्रमुक के सदस्यों के मौजूदा सत्र के अंतिम दिन 29 जून तक शेष कार्यवाही से निलंबित कर दिया। निलंबन के फैसले के बाद अध्यक्ष ने अन्नाद्रमुक के सदस्यों पर सदन में समस्या खड़ी करने और बहस में भाग लेने के इच्छुक नहीं होने का आरोप लगाया। अप्पावु ने कहा कि अन्नाद्रमुक के व्हिप ने यह मुद्दा उठाने के लिए नोटिस दिया था, लेकिन वह मेरा जवाब सुनने के लिए तैयार नहीं थे। इसके बजाय उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान कार्यवाही में बाधा डाली और अपने आचरण से सदन की मर्यादा भंग की है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि हालांकि सदन कल्लाकुरिची शराब त्रासदी पर बातचीत को तैयार है, लेकिन पलानीस्वामी ही इसके लिए तैयार नहीं हैं। स्टालिन ने कहा कि ऐसा लगता है जैसे वह सदन छोड़कर बाहर जाने और मीडिया से बात करने में ज्यादा रुचि रख रहे हैं। विधानसभा के बाहर पत्रकारों से

बातचीत में पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि मुख्य विपक्ष को कल्लाकुरिची में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों का मुद्दा उठाने से रोकने का जानबूझकर प्रयास किया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पिछले पांच दिनों से इस मुद्दे को उठाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियमों के मुताबिक इजाजत दी जाएगी, लेकिन जब हमने नियमों के मुताबिक काम किया तो उन्होंने इजाजत देने से इनकार कर दिया। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि क्या विधानसभा में सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के लिए अलग-अलग नियम हो सकते हैं।

भारत के मशहूर उद्योगपति रतन टाटा मांग रहे मदद, तलाश रहे ब्लड डोनर

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारत के मशहूर उद्योगपति रतन टाटा जो हमेशा मदद के लिए तैयार रहते हैं वह अब एक डॉग के इलाज के लिए मदद मांग रहे हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा मुंबई मुझे आपकी मदद की जरूरत है। घायल डॉग का मुंबई स्थित स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। दरअसल, घायल डॉग को ब्लड डोनर की तलाश है। इससे जुड़ी जानकारियां भी पोस्ट में शेयर की गईं हैं। रतन टाटा ने लिखा कि मैं वाकई आपकी मदद की सराहना करूंगा। उन्होंने जानकारी दी है कि एनिमल हॉस्पिटल में मेडिकल स्टाफ को सात महीने के डॉग के लिए खून की जरूरत है। इस शेयर करने के बाद से ही पोस्ट वायरल है और इसे अब तक करीब पांच लाख लाइक्स मिल चुके हैं और आंकड़े तेजी से बढ़ रहे हैं। पोस्ट के मुताबिक अस्पताल में इस सात महीने के डॉग को ब्लड ट्रांसफ्यूजन की जरूरत है। उसे संदिग्ध टिक फीवर और जानलेवा एनीमिया के चलते भर्ती किया गया है। एक डोनर की बहुत जल्द जरूरत है। आगे ब्लड डोनेट करने वाले डॉग को भी कुछ जरूरतों को पूरा करना होगा। वह क्लीनिकली स्वस्थ हो और आयु एक से आठ साल के बीच हो, उसका वजन करीब 25 किलो या इससे ज्यादा होना चाहिए, उसका टीकाकरण और डिवॉर्मिंग हो चुकी हो, कोई बड़ी बीमारी न हो, टिक्स की शिकायत नहीं हो। इन शर्तों को पूरा करने वाले डॉग ब्लड डोनेट कर सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आज के कलयुग में श्रवण पुत्र बने गणेश सावंत, २०वीं तीर्थयात्रा करवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, गणेशभाई पी. सावंत चैनल आईविटनेस, नवगुजरात टाइम्स और एसएस न्यूज के प्रबंध निदेशक पिछले बीस वर्षों से एक अनूठी सेवा का प्रयास कर रहे हैं. उनकी माता श्री. सावंती बेन पांडुरंग सावंत की याद में वह खुद हर साल ५० साल और उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुफ्त तीर्थयात्रा का आयोजन करते हैं. इस तरह उन्होंने कई बुजुर्गों की जिंदगी के अनमोल पल बनाए हैं. इस वर्ष गणेशभाई ने एक बार फिर इस पवित्र कार्य को आगे बढ़ाया. यह २०वीं तीर्थयात्रा जिसमें बुजुर्गों को दो लग्जरी बसों में उनाई, सापुतारा, सप्तश्रृंगी, शिरडी, शनिदेव, नासिक-पंचवटी, मुक्तिधाम जैसे तीर्थ स्थानों पर ले जाया गया. केवल यात्रा ही नहीं, प्रत्येक तीर्थयात्री के लिए स्वयं दो भोजन और सुबह-दोपहर का चाय-नाश्ता तैयार किया गया और परोसा, बड़ों को प्यार से खिलाया भी गया. इस अवसर पर, न केवल यात्रा का संचालन करते हैं, बल्कि वे प्रत्येक तीर्थयात्री से दिल से जुड़ते हैं, उनकी जरूरतों को पूरा करते हैं. इस सेवा में वह बड़ों का आज्ञाकारी पुत्र बनकर अपना कर्तव्य निभाते है.

इस प्रकार, जब आज के युग में कभी-कभी बच्चे अपने माता-पिता को पर्याप्त सम्मान और समर्थन नहीं देते हैं, गणेश सावंत जैसे व्यक्ति इस युग में एक उदाहरण बन रहे हैं. बुजुर्ग खुद देख रहे हैं कि उनका यह प्रयास उनके जीवन में खुशी और संतुष्टि के पल जोड़ रहा है. हालाँकि यात्रा केवल तीन दिनों की है, लेकिन ये तीन दिन बुजुर्गों के जीवन में आनंद के सागर की तरह हैं.

यह यात्रा उन्हें भगवान के दर्शन के साथ अपनी पिछली यादों को ताजा करने और आत्मा में शांति महसूस करने का मौका देती है. सेवा की धारा से जुड़कर गणेश सावंत कैसे सभी बड़ों को प्यार, गर्मजोशी और स्नेह देते हैं. उनका ज्ञान साक्षात गणेश सावंत के कार्य से मिलता है. गणेश सावंत खुद अपने दोस्तों से हमेशा कहते हैं कि हमारे समाज की सच्ची समृद्धि इस बात में निहित है कि हम अपने बड़ों का सम्मान कैसे करते हैं.

सिटीलाइट स्थित एक फ्लैट में रेलवे की वेबसाइट हैक कर तत्काल टिकट बनाने का घोटाला पकड़ा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, पश्चिम रेलवे की विजिलेंस टीम ने सिटी लाइट मेघ समरन अपार्टमेंट के एक फ्लैट में छापेमारी कर रेलवे के तत्काल टिकट बनाने के धंधे का पर्दाफाश किया है. टिकट कालाबाजारी करने वाले रेलवे की वेबसाइट को हैक कर ग्राहकों से बड़ी मात्रा में कमीशन वसूलते थे. विजिलेंस अधिकारी ने दोनों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है.

पश्चिम रेलवे प्रणाली में मुंबई मंडल में सतर्कता के रूप में कार्यरत संजय कुमार सुधीर शर्मा ने एक गुप्त सूचना के आधार पर सिटी लाइट मेघ समरन अपार्टमेंट में फ्लैट नंबर-९-बी पर छापा मारा. जिसकी जांच में फ्लैट निवासी राजेश विरपरी मित्तल ने लैपटॉप पर आईआरसीटीसी से अनधिकृत और अवैध सॉफ्टवेयर गदर और नेक्सस प्राप्त करके, उसने अलग-अलग फर्जी आईडी पासवर्ड के माध्यम से आईआरसीटीसी साइट को हैक किया, सभी सत्यापन और सुरक्षा प्रक्रियाओं को दरकिनार कर दिया और अपने संरक्षक दिनेश पटेल की मदद से ई-टिकट बनाया और वह यह टिकट अपने ग्राहकों को देता था और उनसे बड़ी मात्रा में कमीशन वसूलता था. राजेश मित्तल के पास रेलवे के आईआरसीटीसी का लाइसेंस भी है. यद्यपि वह अपने लॉगिन आईडी पासवर्ड का उपयोग करके एक वैध प्लेटफॉर्म से ऑनलाइन रेलवे टिकट बुक करने के लिए एक वैध एजेंट था, वह अपने वित्तीय लाभ के लिए रेलवे साइट को हैक करता था और ई-टिकटिंग मानदंडों का उल्लंघन करता था और अपने ग्राहकों को तत्काल टिकट जारी करता था और अधिक कमाता था. विजिलेंस के संजय कुमार द्वारा तत्काल टिकट घोटाले का खुलासा करने के बाद उमरा पुलिस ने दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

सूरत एयरपोर्ट पर मॉक ड्रिल का आयोजन, ४ आतंकियों ने एयरपोर्ट में घुसकर ६ यात्रियों को बंधक बनाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत जिला आपदा प्राधिकरण और सूरत हवाईअड्डा प्राधिकरण की संयुक्त पहल के तहत सुबह सूरत हवाईअड्डे पर अपहरण रोधी मॉक ड्रिल आयोजित की गई. चार आतंकी एयरपोर्ट में घुसे और ६ यात्रियों को बंधक बना लिया, लेकिन चेतक कमांडो और सीआईएसएफ जवानों ने कड़ा मुकाबला किया और आतंकियों को जिंदा पकड़ लिया. जिला आपदा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर डॉ.सौरभ पारधी के मार्गदर्शन में आयोजित मॉकड्रिल में एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा मॉकड्रिल का सफल संचालन किया गया.

सूरत एयरपोर्ट के ए-२ गेट पर सुबह-सुबह विमान को हाईजैक करने के इरादे से चार आतंकी यात्रियों के भेष में कार लेकर पहुंचे. जब सिक्योरिटी ने उसे रोका तो अचानक उसनेच ४७ राइफल से सीआईएसएफ सुरक्षा गार्ड को घायल कर दिया और अंदर घुस गए. इसकी जानकारी जैसे ही सूरत एयरपोर्ट अथॉरिटी को हुई तो इसकी जानकारी सूरत सिटी पुलिस, जिला कलेक्टर, प्रांतीय अधिकारी को दी गई. पूरे एयरपोर्ट को सूरत पुलिस और सीआईएसएफ ने घेर लिया था. प्रांतीय अधिकारी और डिप्टी कलेक्टर वी.जे. भंडारी तुरंत हवाईअड्डे आए और नियंत्रण कक्ष से आतंकवादियों से बात की. जिसमें आतंकियों ने एटीएस द्वारा गिरफ्तार कर जेल में बंद आतंकियों की रिहाई, एक हेलीकॉप्टर और २०० करोड़ रुपये की मांग की थी. अंतत: चेतक कमांडो गोहिल के नेतृत्व में कमांडो ने मौके का फायदा उठाकर आतंकवादियों को हरा दिया और उनके पास से चार AK ४७ राइफलें जब्त की गई.

आतंकियों के साथ मुठभेड़ में आतंकियों ने १५ राउंड फायरिंग की. जिसका कमांडो ने कड़ा प्रतिरोध किया. तलाशी अभियान के दौरान सभी छह बंधकों को सफलतापूर्वक मुक्त करा लिया गया. बिना किसी हताहत के ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया. मॉकड्रिल के दौरान जिला प्रशासन, सिटी पुलिस द्वारा एयरपोर्ट से सिविल तक ग्रीन कॉरिडोर, एयरपोर्ट के चारों ओर पर्याप्त पुलिस उपस्थिति, एयरपोर्ट के पास आसान यातायात प्रबंधन ने मॉकड्रिल को सफल बनाया. मॉकड्रिल में एसओजी डीसीपी राजदीपसिंह नकुम, क्राइम डीसीपी बी.पी. रोजिया, जोन-६ डीसीपी आर.टी. परमार, मामलातदार पंकज मोदी, सीआईएसएफ डे. कमांडेंट आशीष रावत, सूरत एयरपोर्ट के महाप्रबंधक चंद्रकांत शंकुशले, फायर, सिटी पुलिस और राज्य के संबंधित अधिकारियों के अधिकारी उपस्थित थे.

भेस्तान में पंचर दुकान में घुसा जहरीला कोबरा, डेढ़ घंटे रेस्क्यू चला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, मॉनसून में इस तरह के जीव लगातार दिखने लगते है. मानसून के दौरान अक्सर सर्पदंश के मामले भी सुनने को मिलते है. सूरत के भेस्तान इलाके में एक जहरीला कोबरा सांप एक पंचर की दुकान में घुस गया. ऐसे में संस्था की ओर से डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद इस सांप का रेस्क्यू किया गया.

भेस्तान इलाके में प्रियंका सोसायटी के पास एक पंचर दुकान में सांप पाया गया. जैसे ही दुकान के अंदर सांप देखा गया तो डर का माहौल हो गया. लोगों ने तत्काल प्रभाव से संस्था से संपर्क किया और सांप को बाहर निकाला गया. प्रयास संस्था के स्वयंसेवकों ने मौके पर पहुंचकर सांप को बाहर निकाला. दुकान में सारा सामान पड़ा होने के कारण सांप को निकालने में थोड़ी दिक्कत हुई. डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद सांप को बचा लिया गया. सांप जहरीला कोबरा निकला. बाद में लोगों ने राहत की साँस ली. इसके बाद सांप को सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया.

महिला कबाड़ बीनने के बहाने करती थी चोरी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

एलसीबी ने १९ जून को बेलीमोरा में एक घर में चोरी का भंडाफोड़ किया और एक महिला को गिरफ्तार किया। एसपी ने चोरी के अपराध को रोकने के लिए नवसारी एलसीबी पीआई वी.जे.जडेजा को निर्देशित किया, उन्होंने २१ जून को बेलीमोरा आभूषण और नकदी की चोरी का मामला उठाया। बिलीमोरा में हुई चोरी की घटना में एक महिला सीसीटीवी में चोरी करते हुए पकड़ी गई.

महिला की पहचान करने के बाद एलसीबी के सुनील देवी सिंह, संदीप पीठाभाई, पोको अर्जुन प्रभाकर को जानकारी मिली कि बिलीमोरा में चोरी करने वाली महिला भानू उर्फ बानू उर्फ संगीता यशवंत ढालवाले (निवासी व्यारा मार्केट, व्यारा, मूल निवासी मालेगांव, जिला जलगांव, महाराष्ट्र) है। बारडोली रोड पर नासिलपुर के पास कचरा उठाना वापस आ गया है। पुलिस ने सूचना के आधार पर उसे रोका और बेलीमोरा में हुई चोरी की वारदात को सुलझा लिया. १९ जून को पुलिस उससे पूछताछ करते हुए मलबा उठाने बिलीमोरा गई थी। इसी बीच दोपहर में शिवम शांति निवास वाली गली के सामने एक बंद घर देखकर उसने स्वीकार किया कि उसने लोहे की रॉड से दरवाजे का ताला तोड़ दिया और घर में घुसकर ७.८५ लाख की चोरी कर ली. पुलिस ने उसके पास से २.६९ लाख की रकम जब्त की है. जब एलसीबी बेलीमोरा में चोरी के एक मामले की जांच कर रही थी तो स्थानीय सीसीटीवी में एक महिला को देखा गया था और एलसीबी के पोको अर्जुन चौहान ने पहले उसे चोरी के आरोप में शहर पुलिस में गिरफ्तार किया था और उसने राजपीपला में भी चोरी की थी। भानू उर्फ बानू किस वर्ष चोरी कर रही थी, पुलिस ने उसे किस वर्ष रोका २०१२ में वांसदा में, २०१४, २०२० और २०२३ में व्यारा में, २०१९ में नवसारी शहर में, २०२३ में राजपीपला में, मांडवी में। २०२३, २०२३ में बारडोली में - २०२२ में दो बार, २०२३ में वालोद में, २०१९ में सोनगढ़ में और २०२४ में बेलीमोरा की चोरी सहित कुल १२ चोरियां हुईं। आरोपी भानू उर्फ बानू पिछले १२ साल से कूड़ा बीनने के लिए बस से अलग-अलग शहरों में जाता था और सोसायटी एरिया में बंद मकान को दराट से तोड़कर घर में घुसकर सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चुराकर चंपत हो जाता था। निकटतम वाहन. वह चोरी का माल वहीं छोड़ देती थी, जहां उसका घर व्यारा या बारडोली में था, जहां उसकी मां का घर था। भानु उर्फ बानू को अच्छे कपड़े पहनने की आदत है और वह मौज-मस्ती पर खर्च करती थी।